सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" खास हैं वो लोग इस दुनिया में....
जो वक्त आने पर वक्त दिया करते हैं...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–134 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 03 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी का मास्टरमाइंड कौन?, सीआईएसएफ–अधिकारी–ठेकेदार गठजोड़ पर उठे सवाल

पुलिस की जांच में खुल रही परत–दर–परत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से 250 टन लोहा चोरी का मामला अब बड़ा सिंडिकेट बनता जा रहा है। पुलिस की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है, बीएसपी के अंदर अफसरों, ठेकेदारों और सीआईएसएफ की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फरार ट्रांसपोर्टर संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश होने की उम्मीद है।

फ्लू डस्ट की आड़ में महीनों से चल रहा था खेल

धमन भट्ठी विभाग के मकडम यार्ड से फ्लू डस्ट लोडिंग का ठेका आरडीके इंडस्ट्रीज के गिरीश खंडेलवाल के पास है। उसका पार्टनर संजय सिंह फ्लू डस्ट के बीच लोहा छिपाकर गाड़ियों से बाहर निकालता था। चोरी का माल हथखोज के एके ट्रेडर्स यार्ड में डंप किया जाता था। हैरानी की बात यह है कि बीएसपी को महीनों तक इसकी भनक तक नहीं लगी।

जीपीएस और नंबर प्लेट बदलकर देते थे चकमा

जांच में खुलासा हुआ है कि संजय सिंह के पास 4 ट्रक थे। दो ट्रक प्लांट के अंदर और दो बाहर रखे जाते थे। लोहा लोड करने के बाद बाहर खड़े ट्रकों का जीपीएस और नंबर प्लेट बदलकर भरी गाड़ी बाहर निकाल दी जाती थी और खाली गाड़ी अंदर भेज दी जाती थी। ऊपर से ब्लू डस्ट डालकर सीआईएसएफ की आंखों में धूल झोंकी जाती थी।

क्रेन ऑपरेटर भी अधिकारियों के दबाव में साथ देने को मजबूर था। जिस जगह यह खेल होता था, वहां सीसीटीवी तक नहीं था।

बड़े ट्रांसपोर्टर–फैक्ट्री में दबिश, हाथ खाली

पुलिस ने भिलाई के एक बड़े ट्रांसपोर्टर और रसमड़ा की एक बड़ी फैक्ट्री में छापा मारा, लेकिन कुछ नहीं मिला। फरार संजय सिंह और मो. सलीम की तलाश जारी है। संजय के ठिकानों से पुलिस ने 6 लोगों के नाम की 10 बैंक पासबुक और 18 कंपनियों की चेकबुक जब्त की हैं। एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि अब खातों की ट्रांजेक्शन डिटेल खंगाली जा रही है।

ब्लैकलिस्टेड ठेकेदार फिर सक्रिय कैसे?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि गिरीश खंडेलवाल को बजरंग इस्पात ने पहले लोहा चोरी में पकड़े जाने पर ब्लैकलिस्ट किया था। बीएसपी ने बजरंग इस्पात को भी ब्लैकलिस्ट कर दिया था। अब वही बजरंग इस्पात मंगलम के नाम से एलडी डस्ट खरीद रहा है। आरोप है कि खंडेलवाल के बीएसपी में कई चहेते अधिकारी हैं, जिनके दम पर चोरी का सिलसिला चल रहा है।

सीबीआई जांच की मांग, आधा दर्जन अफसरों पर शक

सूत्रों का दावा है कि अगर इस प्रकरण की सीबीआई जांच हो तो आधा दर्जन बीएसपी अधिकारी, एक दर्जन से ज्यादा सीआईएसएफ अधिकारी–जवान और कई कथित उद्योगपति–ठेकेदार जेल की सलाखों के पीछे होंगे। बीएसपी में कभी एक जीएम होता था, आज चार दर्जन हैं। मडकंप कांड, जोरातराई लोहा कांड, 16 करोड़ का बेयरिंग कांड के बाद यह नया मामला सामने आया है।

जेवरा–सिरसा में कोयला सैंपल जब्त :

जेवरा–सिरसा पुलिस ने धमधा रोड स्थित एक कंपनी में अवैध कोयला रखे होने की सूचना पर माइनिंग विभाग के साथ छापा मारा। कोयले का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई होगी। बताया जा रहा है कि गिरीश खंडेलवाल का एक गोदाम जेवरा–सिरसा में भी है।

एसएसपी बोले- तह तक जाएंगे :

एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा, ट्रांसपोर्टर और रसमड़ा की फैक्ट्री में जांच की गई। फरार संजय सिंह और मो. सलीम की तलाश है। बैंक खातों की जांच से पूरे सिंडिकेट का खुलासा होगा।

पुलिस अब गिरीश खंडेलवाल के साइलेंट पार्टनर्स और रायपुर से निर्देश देने वाले सीआईएसएफ अफसरों की भूमिका भी खंगाल रही है। सवाल यही है– बीएसपी में लोहा चोरी का असली मास्टरमाइंड कौन?

सोशल मीडिया पर किंग–डॉन बनने का शौक पड़ा महंगा, दुर्ग पुलिस ने 6 को दबोचा

हथियार–नशा दिखाने वाले 4 नाबालिगों की काउंसलिंग, 2 वयस्कों पर केस दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सोशल मीडिया पर किंग, डॉन और गैंगस्टर बनकर हथियार, नशा और गुंडागर्दी दिखाने वालों पर दुर्ग पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस की साइबर सेल ने भड़काऊ पोस्ट डालने वाले 6 लोगों को चिन्हित कर तलब किया। इनमें 4 नाबालिग निकले जिन्हें परिजनों के सामने समझाइश देकर काउंसलिंग के लिए भेजा गया, वहीं 2 वयस्कों पर छावनी थाने में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

इंस्टा–फेसबुक पर रखी जा रही पैनी नजर

दुर्ग पुलिस की साइबर सेल इंस्टाग्राम, फेसबुक समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी कर रही है। लड़ाई–झगड़ा, मारपीट, नशाखोरी, हथियार प्रदर्शन और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले वीडियो–पोस्ट पर विशेष नजर है। इसी क्रम में सोमवार को 6 चिन्हित अकाउंट धारकों को बुलाकर उनके मोबाइल और सोशल मीडिया की जांच की गई।

जांच में 6 में से 4 आरोपी नाबालिग मिले। पुलिस ने तत्काल उनके मोबाइल से आपत्तिजनक वीडियो–पोस्ट हटवाए। परिजनों को थाने बुलाकर सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में ऐसी हरकत दोहराई तो कानूनी कार्रवाई होगी। पुलिस ने बच्चों और परिजनों को बताया कि एक भड़काऊ पोस्ट भी सामाजिक तनाव और कानून–व्यवस्था की समस्या खड़ी कर सकती है। सभी को काउंसलिंग के लिए भेजा जा रहा है।

पुलिस ने पाया कि कई यूजर किंग, डॉन, गैंगस्टर जैसे नामों से कई बनाकर हथियार और नशे से जुड़ी सामग्री पोस्ट कर रहे थे। ऐसे अकाउंट चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। 2 वयस्क आरोपियों के मोबाइल में भी भड़काऊ सामग्री मिली। पोस्ट हटवाकर उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई और छावनी थाने में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। पकड़े गए आरोपी में 1. कुलदीप सिंह पिता जय सिंह, 23 वर्ष, सेक्टर–11, थाना छावनी, 2. दुर्गेश सोनी पिता नरेंद्र सोनी, 21 वर्ष, प्रगतिनगर कैंप–1, थाना छावनी शामिल हैं। दुर्ग पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें। लाइक और फॉलोअर्स के चक्कर में युवा अक्सर ऐसे वीडियो डाल देते हैं जो कानूनन अपराध हैं। पुलिस ने साफ किया कि लड़ाई–झगड़े, गाली–गलौज, नशाखोरी, हथियार प्रदर्शन और धार्मिक भावना भड़काने वाली पोस्ट पर कठोर कार्रवाई होगी।

पीसीसी घोटाले में बड़ी कार्रवाई : पूर्व सचिव जेके ध्रुव के घर ईडी का छापा

भिलाई–दुर्ग–रायपुर सहित 10 जगहों पर एक साथ रेड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई–रायपुर

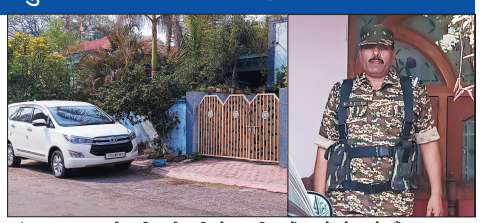

सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ के 10 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। ईडी की टीम ने सीजीपीएससी के पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव के भिलाई सेक्टर–10, सड़क–44 स्थित क्वार्टर नंबर 9सी में दबिश दी। यहां पहले से ही सीबीआई की जांच चल रही है।

राजनांदगांव में कृषि अधिकारी के घर पहुंची ईडी

राजनांदगांव के शिक्षक कॉलोनी निवासी कृषि विस्तार अधिकारी भूपेंद्र गनवीर के घर सुबह करीब 6:30 बजे ईडी की टीम पहुंची और पूछताछ शुरू की। भूपेंद्र गनवीर, ललित गणवीर के भाई हैं। ललित गणवीर को CGPSC घोटाले में मुख्य आरोपी टामन सिंह सोनवानी के साथ गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल जेल में है।

2020–22 की भर्ती में गड़बड़ी का आरोप

सीबीआई का आरोप है कि 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती परीक्षाओं में चयन प्रक्रिया को प्रभावित कर कुछ अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव ने पद का दुरुपयोग कर अपने पुत्र सुमित ध्रुव समेत आयोग से जुड़े अफसरों और रसूखदारों के रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाया।

ज्यादातर आरोपी जमानत पर, टामन सोनवानी जेल में

इस मामले में ज्यादातर आरोपियों को जमानत मिल चुकी है, लेकिन मुख्य आरोपी टामन सिंह सोनवानी अभी जेल में बंद है। छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने जांच शुरू की थी। एजेंसी ने ध्रुव समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में भर्ती में मिलीभगत, अनियमितता और चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोप हैं।

CBI के बाद अब ईडी की एंट्री

पीएससी भर्ती घोटाला प्रदेश के सबसे चर्चित मामलों में से एक है। इसमें कई चयनित अधिकारियों, उनके परिजनों और आयोग के तत्कालीन पदाधिकारियों की भूमिका की जांच हो रही है। सीबीआई के बाद अब ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से जांच शुरू कर दी है। भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव और रायपुर समेत 10 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई है।

फिलहाल ईडी की टीमें दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही हैं। जांच के बाद ही घोटाले की मनी ट्रेल का खुलासा हो सकेगा।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। शेयर मार्केट में निवेश कर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ दो अलग–अलग प्रकरण दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी दीपक गाडगे (37 वर्ष), निवासी न्यू राजेंद्र नगर अमलीडीह रायपुर तथा पापा राव (63 वर्ष), निवासी सेक्टर–6 भिलाई ने थाना सुपेला में शिकायत दर्ज कराई थी कि हनुमान मंदिर पुरानी बस्ती सुपेला निवासी टोमन दास साहू ने शेयर मार्केट में निवेश कर अच्छा लाभ दिलाने का प्रलोभन देकर उनसे बड़ी रकम निवेश करवाई। आरोपी ने दीपक गाडगे से लगभग 23 लाख रुपये, भीष्म महिलांग से 15 लाख रुपये तथा पापा राव से 10 लाख रुपये सहित अन्य लोगों से भी लाखों रुपये लेकर धोखाधड़ी की। शिकायत की जांच के बाद सुपेला पुलिस ने आरोपी टोमन दास साहू के विरुद्ध अपराध क्रमांक 766/2026 एवं 767/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2) एवं 318(4) के अंतर्गत मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी के कार्यालय और निवास स्थान पर कार्रवाई करते हुए एक किया कार, एक लैपटॉप, एक सीपीयू, एक की–बोर्ड, दो मॉनिटर, 10 चेक बुक, दो मोबाइल फोन, चार लेन–देन संबंधी डायरी तथा 10 ट्रॉफी जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपी टोमन दास साहू को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले में अन्य पीड़ितों एवं वित्तीय लेन–देन की भी जांच की जा रही है इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला विजय यादव, उप निरीक्षक धनेश्वर साहू, उप निरीक्षक विताराम ठाकुर, उप निरीक्षक नमिता टेकाम, प्रधान आरक्षक प्रकाशचंद तिवारी तथा आरक्षक सूर्यप्रताप सिंह की विशेष भूमिका रही।

भिलाई में ऑनलाइन जुआ रैकेट का हुआ भंडाफोड़, मुख्य आरोपी चेतन चंदेल गिरफ्तार

कसाई नहर किनारे कुएं के पास चल रहा था ऑनलाइन सट्टा, 4 मोबाइल जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छावनी पुलिस ने कैंप–2 में ऑनलाइन जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कसाई नहर किनारे कुएं के पास खुले स्थान पर ऑनलाइन माध्यम से हार–जीत का दांव लगवाकर अवैध लाभ कमाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी चेतन चंदेल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

31 मई को मिली थी सूचना

थाना छावनी पुलिस को 31 मई को सूचना मिली थी कि कैंप–2 के कसाई मोहल्ला नगर किनारे कुएं के पास ऑनलाइन जुआ खिलाया जा रहा है। सूचना पर रेड कर पुलिस ने मौके से आतीश गौर (30) निवासी सर्कुलर मार्केट और नियाज अहमद (40) निवासी प्रकाश आटा चक्की के पास, कैंप–2 को पकड़ा। इनके कब्जे से 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

मेमोरेंडम में खुला मुख्य आरोपी का नाम

पूछताछ में आरोपियों ने मुख्य आरोपी चेतन चंदेल पिता केशव राम चंदेल (35) निवासी बैकुण्ठ धाम राष्ट्रीय विद्यालय के पास, कैंप–2 का नाम बताया। पुलिस ने उसे तलाश कर गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) और बीएनएस की धारा 112 के तहत अपराध क्रं. 365/2026 दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

आरोपी पर पहले से दर्ज हैं 9 मामले

पुलिस के अनुसार आरोपी चेतन चंदेल पर पहले से जुआ, सट्टा, मारपीट और छेड़छाड़ के करीब 9 मामले दर्ज हैं। वह जिला बालोद के बलवा के 2 मामलों में भी संलिप्त रहा है। इस पूरी कार्रवाई में थाना छावनी पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय रही।

कोहका में लगा नि:शुल्क योग शिविर, योग से निरोग का दिया संदेश

पतंजलि योग समिति के शिष्यों ने कराया प्रशिक्षण, इंद्रजीत सिंह की माताजी कुलवंत कौर रहीं मुख्य अतिथि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

करो योग, रहो निरोग के संकल्प के साथ मंगलवार को कोहका स्थित वीरा जी के अंगना में नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। पतंजलि योग समिति हरिद्वार के शिष्यों द्वारा कान्हा पार्क योग ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योग के महत्व को समझा और प्राणायाम–आसन का अभ्यास किया।

कुलवंत कौर की गरिमामयी उपस्थिति

शिविर में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह की माताजी कुलवंत कौर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया और कहा, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां आम हो गई हैं। योग ही एकमात्र माध्यम है जो बिना दवा के शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है।

योग है जीवन का आधार

पतंजलि योग समिति के प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग से न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। अनुलोम–विलोम, कपालभाति, भ्रामरी जैसे प्राणायाम फेफड़ों को मजबूत करते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन से कमर दर्द, जोड़ों के दर्द और पाचन की समस्या दूर होती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, योग हर उम्र के लिए जरूरी है।

सुबह की शुरुआत योग से करें

प्रशिक्षकों ने लोगों को सलाह दी कि दिन की शुरुआत 30 मिनट योग से करें। मोबाइल–टीवी से दूर सुबह की ताजी हवा में किया गया योग पूरे दिन ऊर्जा देता है। शिविर में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजकों ने बताया कि कान्हा पार्क योग ग्रुप द्वारा आगे भी ऐसे नि:शुल्क शिविर लगाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग योग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री की घोषणा को अमल में लाने मंत्री यादव के साथ जिला प्रशासन ने किया स्थल निरीक्षण

नवीन कंपोजिट बिल्डिंग बनेगी सुशासन, पारदर्शिता और आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था का नया केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी द्वारा दुर्ग जिला मुख्यालय में नवीन कंपोजिट बिल्डिंग निर्माण की गई घोषणा को शीघ्र धरातल पर उतारने की दिशा में आज महत्वपूर्ण पहल हुई। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के साथ कलेक्टर अभिजीत सिंह, पीडब्ल्यूडी, अपर कलेक्टर, एसडीएम तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

सुबह लगभग 10 बजे से एक घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव एवं अधिकारियों ने कलेक्टरेट परिसर का पैदल भ्रमण कर वर्तमान भवनों, पार्किंग व्यवस्था, भू-अभिलेख कार्यालय, निर्वाचन शाखा, एनआईसी, विभिन्न विभागीय कार्यालयों तथा उपलब्ध भूमि का बारीकी से अवलोकन किये। इस दौरान अधिकारियों ने नवीन कंपोजिट बिल्डिंग के निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित भवन में सभी विभागों के कार्यालयों को एकीकृत रूप से स्थापित करने, आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीटिंग हॉल, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, सुव्यवस्थित प्रवेश द्वार, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्था तथा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने कहा गया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कलेक्टरेट परिसर में संचालित सभी विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कमर्चारियों की संख्या तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भवन का ड्राइंग एवं डिजाइन तैयार किया जाए। उन्होंने शीघ्र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर शासन को प्रस्तुत करने तथा निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की मंशा के अनुरूप दुर्ग में बनने वाली यह नवीन कंपोजिट बिल्डिंग केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं होगी, बल्कि आने वाले कई दशकों तक सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधा का सशक्त केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के एक ही परिसर में संचालित होने से आम नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा प्रशासनिक कार्यों में भी अधिक समन्वय और गति आएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में दुर्ग निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आईटी पार्क, इंडोर स्विमिंग पूल, अधोसंरचना विकास कार्यों के बाद अब आधुनिक कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण दुर्ग को एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक प्रशासनिक शहर के रूप में नई पहचान प्रदान करेगा। यह भवन विकसित हो रहे नए दुर्ग की पहचान और सुशासन का प्रतीक बनेगा।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तावित निर्माण कार्य के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए तथा निश्चित समय अवधि में पूर्ण करने पर चर्चा किये।

खास खबर

खोजे गुम मोबाइल, 41 लाख के मोबाइल बरामद, मालिकों को किया वितरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस की एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट (एसीसीयू) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 के दौरान गुम हुए 201 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 41 लाख रुपये बताई गई है। इन मोबाइलों को पुलिस कंट्रोल रूम भिलाई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबंधित मोबाइल स्वामियों को विधिवत सौंपा गया।

पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में गुम मोबाइलों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। विभिन्न थानों में दर्ज मोबाइल गुम होने की शिकायतों के आधार पर थाना प्रभारियों के नेतृत्व में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा थाना पुलिस की संयुक्त टीम को कारवाई के लिए लगाया गया। पुलिस टीम ने सीईआईआर पोर्टल की सहायता से गुम मोबाइलों को ट्रेस किया। लगातार प्रयासों और तकनीकी जांच के माध्यम से दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, रायपुर सहित मध्यप्रदेश और आंध्र प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 201 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल विभिन्न कंपनियों के हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 41 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस पूरी कार्रवाई में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्ष 2026 में दुर्ग पुलिस द्वारा आयोजित यह चौथा मोबाइल वितरण कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल वापस मिल सके हैं। दुर्ग पुलिस ने बताया कि बरामद मोबाइलों के आईएमईआई (क्टएक) नंबरों की सूची पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) पर भी अपलोड की जाएगी। जिन लोगों के मोबाइल बरामद हुए हैं, वे सूची में मिलान कर एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट कार्यालय, सेक्टर-3 भिलाई से अपना मोबाइल प्राप्त कर सकते हैं। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं तथा सीईआईआर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करें, ताकि मोबाइल की शीघ्र तलाश की जा सके।

कलेक्टर ने की जिले में प्रगतिरत सात समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सिंह ने जिले में संचालित विभिन्न जलप्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में प्रगतिरत 07 समूह जलप्रदाय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ओदरागहन समूह जलप्रदाय योजना से शीघ्र जलापूर्ति प्रारंभ की जाएगी। वहीं अंजोरा ढाबा एवं मोतिमपुर समूह योजनाओं में विद्युत कनेक्शन से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया। जल जीवन मिशन अंतर्गत निरस्त किए गए अनुबंधों के मामलों में शीघ्र नई निविदा आमंत्रित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन एजेंसियों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के कारण स्पष्टीकरण जारी किया गया है, उनके संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करने के को कहा। कलेक्टर ने अमलेश्वर समूह योजना में शामिल चार ग्राम- अमलेश्वर, मगरघटा, खुड़मुड़ी एवं भोथली को संबंधित स्थानीय निकाय को हस्तांतरित करने हेतु संयुक्त निरीक्षण के बाद आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिन ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उनका संचालन एवं संधारण संबंधित पंचायतों द्वारा किया जाएगा। इसके लिए जिला पंचायत को नल जल मित्रों का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मिशन संचालक, जल जीवन मिशन से प्राप्त निर्देशानुसार लोक जल उत्सव वार्षिक कैलेंडर को जिला वार्षिक काययोजना में शामिल करते हुए ग्राम पंचायत एवं जिला स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर हर घर प्रमाणीकरण किए जाने एवं योजना को संबंधित पंचायतों को हस्तांतरित किए जाने के निर्देश दिए।

अधिकारियों कर्मचारी आम नागरिकों से करें अच्छा व्यवहार-विधायक चंद्राकर

बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन, गर्भवती महिलाओं को सुपोषण टोकरी दिया

उतई नगर पंचायत परिसर में आयोजित सुशासन तिहार में शामिल हुए विधायक ललित चन्द्राकर

नई दृष्टिबिंदु / उतई-दुर्ग

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "सुशासन तिहार-2026" के अंतर्गत आज उतई नगर पंचायत परिसर में आयोजित समाधान शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चन्द्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक श्री चन्द्राकर ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टॉलों का सघन निरीक्षण किया और हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित किया।

महिला एवं बाल सशक्तिकरण पर विशेष जोर

शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 15 किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। साथ ही गोद भराई रस्म के तहत गर्भवती महिलाओं को सुपोषण टोकरी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी विधिवत संपन्न कराया गया। विधायक श्री चन्द्राकर ने स्वयं माताओं को सुपोषण टोकरी भेंट कर उनके स्वस्थ मातृत्व की कामना की तथा शिशुओं को खीर खिलाकर अन्नप्राशन की रस्म पूरी की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा, "सुशासन तिहार के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार आपके द्वार आई है। हमारी सरकार का मूल मंत्र है झ शासन अब दफ्तरों में नहीं, बल्कि आपके दरवाजे पर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए हमने चुनाव से पहले जो वादे किए थे, उन्हें एक-एक कर धरातल पर उतार रहे हैं।

आज यहां किशोरी बेटियों को सेनेटरी नैपकिन देना, गर्भवती माताओं को सुपोषण टोकरी देना और बच्चों का अन्नप्राशन कराना, यह बताता है कि हमारी सरकार जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर आपके साथ खड़ी है। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की सम्मान राशि सीधे उनके खाते में मिल रही है।कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान का दाम, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपये प्रति मानक बोरा, प्रधानमंत्री आवास योजना में 18 लाख पक्के मकान, रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ योजना- यह सभी मोदी की गारंटी हैं जिन्हें विष्णुदेव साय सरकार पूरा कर रही है।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश - "जनता ही मालिक है"

श्री चन्द्राकर ने मंच से सभी विभागीय अधिकारी-कमर्चारियों को स्पष्ट एवं कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा, शासन की योजनाएं आम जनता के लिए हैं और जनता ही इस लोकतंत्र की असली मालिक है। इसलिए हर अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह आम नागरिकों से अच्छा व्यवहार करे, उनकी समस्याओं को सम्मानपूर्वक सुने और प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण करे।

सुशासन तिहार में प्राप्त हर आवेदन का अधिकतम एक माह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण होना चाहिए। यदि किसी भी अधिकारी-कमर्चारी द्वारा कार्य में कोताही, लापरवाही या भ्रष्टाचार की शिकायत मिली, तो उसके विरुद्ध तत्काल कठोर कार्यवाही की जाएगी। जवाबदेही तय होगी। कोई भी हितग्राही दफ्तरों के चक्कर न काटे, यह सुनिश्चित करना आपका दायित्व है।" चन्द्राकर जी नें सुशासन त्यौहार को सरलता से बताते हुए कहा अलग अलग विभाग मे जाना ना पड़े और एक साथ एक जगह सभी विभाग इकट्ठा होके व्यवस्थित ढंग से सही ढंग से काम हो सके इसलिए सुशासन तिहार लगाया गया और इनका मकसद यही है कि आम लोगो को एक साथ एक जगह सभी विभाग मिल जाये सभी विभाग मे एक साथ एक जगह उनका काम हो जाये और कम समय मे और उनका समय बचे और आर्थिक रूप से भ्रष्टाचार ना हो और पारदशिर्ता के साथ उनका काम है यही सुशासन त्यौहार का मतलब है।

विधायक श्री चन्द्राकर ने राजस्व, खाद्य, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत, महिला एवं बाल विकास, कृषि, समाज कल्याण सहित सभी विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही दजर्नो हितग्राहियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, जाति-निवास प्रमाण पत्र के कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती नरेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष शिवनारायण देशमुख, प्रभारी सीएमओ मनोज वर्मा, सभापति सोनू राजपूत, मंडल महामंत्री चंदू देवांगन, तथा पार्षदगण सतीश चंद्राकर, श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू, लक्ष्मीनारायण साहू, खुबिराम साहू, श्रीमती संगीत रजक, श्रीमती अनीता गढ़े, श्रीमती सुनीता चंद्राकर, श्रीमती रमशीला नेताम, शिवठाकुर, श्रीमती लता सोनवानी, भीमसेन सिन्हा, रुपेश पारख, गिरीश शर्मा, श्रीमती ममता चंद्राकर, वैभव देवांगन एवं विभागों के प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मोर गांव मोर पानी महाभियान से जल संरक्षण और रोजगार को मिल रही नई दिशा

दुर्ग जिले की 102 ग्राम पंचायतों में 112 नवा तरिया एवं तालाब गहरीकरण कार्य स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रारंभ किए गए मोर गांव मोर पानी महाभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर नवा तरिया एवं तालाब गहरीकरण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत जनपद पंचायत धमधा, दुर्ग एवं पाटन की कुल 102 ग्राम पंचायतों में 112 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में संचालित इन निर्माण कार्यों को आगामी 15 जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों के नेतृत्व में पंजीकृत श्रमिक पूरी सक्रियता के साथ निर्माण कार्यों में जुटे हुए हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं तथा श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर कार्य उपलब्ध हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि नवा तरिया एवं तालाब गहरीकरण कार्यों का चयन ग्रामसभा की सहमति से किया गया है। भूमिपूजन के बाद से ही निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है और बारिश से पहले इन्हें पूरा करने के लिए ग्रामीण एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। इस परियोजना के माध्यम से प्रत्येक पात्र अकुशल श्रमिक परिवार को मांग के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

मनरेगा के तहत जिले की 102 ग्राम पंचायतों में 112 नवा तरिया एवं तालाब गहरीकरण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें जनपद पंचायत धमधा की 40 ग्राम पंचायतें, जनपद पंचायत दुर्ग की 49 ग्राम पंचायतें तथा जनपद पंचायत पाटन की 13 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत तालाबों का गहरीकरण, नवा तरिया निर्माण एवं जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न संरचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। इन निर्माण कार्यों से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है। वहीं वर्षा जल के अधिकतम संचयन से भू-जल स्तर में सुधार तथा कृषि एवं मत्स्य पालन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

जनपद पंचायत धमधा की अछोली, अगार, अरसी, बरहापुर, बसनी, बिरझापुर, बिरोदा, बोरी, देवरी सहित 40 ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायत दुर्ग की अण्डा, अंजोरा, बोरई, चांगोरी, धनोरा, पुरई, थनौद सहित 49 ग्राम पंचायतों तथा जनपद पंचायत पाटन की करेला, असोगा, गब्दी, गाड़ाडीह, गुढ़ियारी, कानाकोट, करसा, केसरा, रवेली, रेंगाकठेरा, सिकोला, तर्रा एवं तेलीगुण्डरा सहित 13 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण सह नवा तरिया निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को व्यापक स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ह्लमोर गांव मोर पानी महाभियान के अंतर्गत स्वीकृत नवा तरिया एवं तालाब गहरीकरण कार्य जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन तालाबों के निर्माण पूर्ण होने के बाद प्रत्येक संरचना में 10 हजार घनमीटर से अधिक जल भंडारण क्षमता विकसित होगी। इससे वर्षा जल का बेहतर संचयन होने के साथ भू-जल स्तर में भी सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात तालाबों का संचालन स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपा जाएगा, जिससे महिलाओं को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा उनकी आर्थिक भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। प्रत्येक तालाब में प्रतिवर्ष लगभग 13 से 15 क्विंटल मत्स्य उत्पादन की संभावना है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में अतिरिक्त वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत निर्मित हो रहे नवा तरिया और गहरीकृत तालाब न केवल जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, बल्कि रोजगार सृजन, मत्स्य पालन और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेंगे।

"एक पौधा प्रकृति के नाम" अभियान से जुड़ें, हरित और स्वच्छ दुर्ग के निर्माण में दें योगदान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने शहरवासियों से पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

महापौर, आयुक्त और पर्यावरण प्रभारी ने नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनाई गई छोटी-छोटी आदतें भी बड़े सकारात्मक बदलाव का आधार बन सकती हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने लोगों से जन्मदिन, विवाह वषर्गांठ एवं अन्य विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा लगाने और उसके वृक्ष बनने तक नियमित देखभाल करने की अपील की।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जल संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए नागरिकों से पानी की बर्बादी रोकने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नलों का उपयोग आवश्यकता अनुसार करें, जल रिसाव को तत्काल ठीक कराएं तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दें। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा वर्षा जल संरक्षण, स्वच्छता और हरित क्षेत्र विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनकी सफलता में जनसहभागिता महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत घर से होती है। उन्होंने नागरिकों से घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा प्लास्टिक की जगह कपड़े और जूट के थैलों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे तो दुर्ग को स्वच्छ, सुंदर और हरित शहर के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

नगर निगम दुर्ग ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने तथा "एक नागरिक-एक पौधा" अभियान से जुड़कर हरित दुर्ग के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया है। निगम प्रशासन ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

खरीफ सीजन के लिए जिले में पर्याप्त बीज उपलब्ध, समितियों के माध्यम से किसानों को वितरण जारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी खरीफ सीजन 2026 के मद्देनजर जिले के किसानों को उन्नत और गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कृषि बीज प्रक्रिया केंद्र में बीजों के वतर्मान स्टॉक और सहकारी समितियों में किए जा रहे भंडारण की प्रशासनिक समीक्षा के बाद जिले में बीजों की उपलब्धता की स्थिति स्पष्ट की गई है। जिले में खरीफ वर्ष 2026 के लिए कृषि विभाग की कुल 29,827 क्विंटल बीज की मांग के मुकाबले बीज प्रक्रिया केंद्र रूआबांधा में वर्तमान में 29,791 क्विंटल बीज उपलब्ध है।

इसमें सबसे प्रमुख फसल धान के बीज की मांग 29,500 क्विंटल है। बीज प्रबंधक (रूआबांधा) एस.के. बेहरा से मिली जानकारी के अनुसार, गत वर्ष स्थानीय बीज उत्पादक किसानों द्वारा जिले की मांग के मुताबिक धान की लगभग सभी किस्मों का बेहतर उत्पादन किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप 10 वर्ष के भीतर की कम अवधि वाली प्रमुख किस्में जैसे एम.टी.यू. 1156, एम.टी.यू. 1153, विक्रम टी.सी.आर., एम.टी.यू.-1318 और छ.ग. देवभोग की कुल 1,590 क्विंटल मांग के विरुद्ध 1,868 क्विंटल बीज का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। वहीं 10 वर्ष से अधिक पुरानी किस्मों की 27,910 क्विंटल मांग के मुकाबले 26,668 क्विंटल (95 प्रतिशत) बीज भंडार में उपलब्ध करा दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, जिले की मांग के मुकाबले केवल दो किस्मों-महामाया और स्वर्णा सब-1 में लगभग 2,300 क्विंटल बीज की कमी देखी गई है, जिसकी भरपाई के लिए राज्य की अन्य सहकारी समितियों और बीज निगम के केंद्रों से जल्द ही बीजों की आपूर्ति कराकर किसानों को समय पर बांट दिया जाएगा। इसके विपरीत, जिले में धान की किस्म एम.टी.यू. 1001 और आई.आर. 64 की लगभग 2,500 क्विंटल मात्रा आवश्यकता से अधिक होने के कारण इसे अन्य जरूरतमंद जिलों जैसे गरियाबंद, राजनांदगांव, बालोद, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, जशपुर और महासमुंद आदि में स्थानांतरित (ट्रांसफर) किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बिहान की दीदियों को सौंपी आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत टाटा मैजिक वाहन

महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मिलेगी नई उड़ान, ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा होगी सुदृढ़

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत ग्राम चेरपाल में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विकासखंड कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के 8 संकुल स्तरीय संगठनों को आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत टाटा मैजिक सवारी वाहनों की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अधिकारियों ने जानकारी दी कि आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने के साथ-साथ दूरस्थ अंचलों में परिवहन सुविधाओं को मजबूत बनाना है। योजना के तहत प्रदाय किए गए प्रत्येक टाटा मैजिक वाहन के लिए लगभग 5 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्रदान की गई है। इन वाहनों के संचालन से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को नियमित आय का स्रोत प्राप्त होगा तथा ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

41 हजार से अधिक परिवारों की आजीविका सशक्त करने में जुटा बिहान मिशन

कार्यक्रम में बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से जिले में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में जिले के 41 हजार 110 परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार एवं आयवर्धन गतिविधियों से जोड़ा गया है। समूह की महिलाएं कृषि आधारित गतिविधियों, पशुपालन, लघु उद्यम, वनोपज प्रसंस्करण तथा विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

गांव और शहर के बीच बढ़ेगी कनेक्टिविटी, महिलाओं को मिलेगा स्थायी आय का स्रोत

मुख्यमंत्री द्वारा प्रदाय किए गए इन वाहनों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुलभ, सुरक्षित एवं किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। इससे दूरस्थ गांवों का बाजारों, स्वास्थ्य संस्थानों, शैक्षणिक केंद्रों तथा जिला मुख्यालय से बेहतर संपर्क स्थापित होगा। साथ ही महिलाओं को वाहन संचालन एवं प्रबंधन के माध्यम से नियमित आय प्राप्त होगी, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। स्व-सहायता समूहों की महिलाएं आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला बनकर उभर रही हैं। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना से उन्हें न केवल रोजगार का अवसर मिलेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसेवा का एक नया माध्यम भी प्राप्त होगा। यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री असाव की संवेदनशीलता से दिव्यांग कपिल के चेहरे पर लौटी मुस्कान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत कोरबा जिले के विकासखंड पाली के ग्राम डोंगानाला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में संवेदनशील प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मानवीय पहल का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। ग्राम मादन निवासी दिव्यांग युवक कपिल ट्राइसाइकिल की मांग लेकर शिविर में पहुंचा था। मंच पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री अरुण साव की नजर जैसे ही उस पर पड़ी, वे स्वयं मंच से उतरकर उसके पास पहुंचे और आत्मीयता से उसकी समस्या सुनी। कपिल ने बताया कि दिव्यांगता के कारण उसे आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक समाधान के निर्देश दिए। जिला प्रशासन की तत्परता से कुछ ही समय में उन्हें ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। ट्राइसाइकिल मिलने पर उनके के चेहरे पर खुशी लौट आई। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका आवागमन सुगम होगा और वे अपने दैनिक कार्य अधिक आत्मनिर्भरता के साथ कर सकेंगे।

रायपुर में विकसित होगा विश्वस्तरीय हॉस्पिटैलिटी और वेलनेस सेंटर

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा राजधानी रायपुर स्थित क्वींस क्लब ऑफ इंडिया के विकास, संचालन एवं रख-रखाव के लिए लाइसेंस आधार पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत एजेंसी नियुक्त करने की महत्वपूर्ण परियोजना प्रस्तावित की गई है। यह पहल रायपुर को एक आधुनिक एवं प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी तथा वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी। परियोजना के तहत क्लब परिसर में स्क्वैश कोर्ट, टेनिस कोर्ट, जिम, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन हॉल, बिलियर्ड रूम तथा टेबल टेनिस हॉल जैसी आधुनिक खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं विकसित एवं संचालित की जाएंगी। साथ ही वर्तमान अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण भी किया जाएगा।

वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि यह परियोजना रायपुर को एक नए प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे राज्य में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा गुणवत्तापूर्ण शहरी अधोसंरचना विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्वींस क्लब ऑफ इंडिया की विशेष आवास योजना के अंतर्गत सांसद एवं विधायक वर्ग के 108 सदस्यों की विशेष सदस्यता पूर्ववत जारी रहेगी। परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान वर्तमान सदस्यों के हितों एवं सुविधाओं का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

विकास की नई इबारत लिख रहा बिलासपुर, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता

जनता के विश्वास को और मजबूत बना रहा सुशासन तिहार : उप मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव आज सुशासन तिहार के अंतर्गत बिलासपुर के पुत्रीबाई स्कूल सामुदायिक भवन में आयोजित जिला स्तरीय शहरी समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। बिलासपुर के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शिविर में कहा कि जनता के प्रति जवाबदेही ही वास्तविक सुशासन है। सुशासन तिहार ने शासन के प्रति लोगों के विश्वास को और अधिक मजबूत किया है। न्यायधानी बिलासपुर को उसकी पहचान और गरिमा के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में अतिथियों ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 12 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से अरपा राम सेतु से शनिचरी रपटा तक सड़क, नाला एवं पिचिंग कार्य तथा 5 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक आरसीसी बॉक्स निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कुल 18 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक के लागत के इन विकास कार्यो से शहर की अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया।

मुख्य अतिथि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास को और सशक्त बनाने का अभिनव अभियान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। प्रदेश विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता और जवाबदेही सवोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। श्री साहू ने कहा कि बिलासपुर आज तेजी से बदलती हुई न्यायधानी के रूप में उभर रहा है। फोरलेन सड़कों का निर्माण, एयरपोर्ट विस्तार की दिशा में हो रहे प्रयास तथा कोपरा जलाशय का रामसर साइट के रूप में चयन इस क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यो को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। बिलासपुर के समग्र विकास के लिए आवश्यक हर सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान और शासन के प्रति उसका बढ़ता विश्वास ही सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुशासन तिहार ने शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम तैयार किया है, जिससे लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यो को प्राथमिकता मिल रही है। उन्होंने कहा कि न्यायधानी बिलासपुर को उसकी पहचान के अनुरूप विकसित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। विगत दो वर्षों में जिले में 412 करोड़ 57 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत और संचालित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विकास की यह गति आगे भी जारी रहेगी और न्यायधानी को प्रदेश के सबसे विकसित शहरों में शामिल किया जाएगा। श्री साव ने पुत्रीबाई सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवॉल एवं शौचालय निर्माण के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

बिलासपुर नगर निगम के सभापति विनोद सोनी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, नगर निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल, बंधुलाल मौर्य, राजेश सिंह, श्रीमती सुनीता जगत, विजय ताम्रकार, लक्ष्मीनारायण कश्यप और मोहित जायसवाल सहित पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

जब मुख्यमंत्री रुके एक छोटी-सी दुकान पर, सामने थी बदलाव की बड़ी कहानी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचे। चौपाल के लिए जा रहे मुख्यमंत्री का काफिला अचानक एक छोटी-सी किराना दुकान के सामने रुक गया। बाहर से देखने पर यह एक सामान्य दुकान थी, लेकिन उसके भीतर संघर्ष, साहस और बदलाव की एक असाधारण कहानी छिपी थी।यह दुकान आत्मसमर्पित दंपत्ति मासा तामो और जयमोती की थी।

मुख्यमंत्री दुकान के भीतर पहुंचे, दोनों से आत्मीयता से बातचीत की और उनके जीवन में आए बदलाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने दुकान से पानी की बोतल खरीदी और दोनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता ही नए जीवन की सबसे बड़ी पहचान है।

मासा तामो का बचपन गरीबी और अभावों में बीता। बचपन में पिता का साया उठ गया और पढ़ाई का अवसर कभी नहीं मिला। वर्ष 2007 में परिस्थितियों के कारण वह नक्सली संगठन से जुड़ गया। उधर जयमोती की कहानी भी संघर्षों से भरी रही। बचपन में माता-पिता का निधन हो गया और जीवन की कठिन परिस्थितियों ने उन्हें भी उसी रास्ते की ओर धकेल दिया। संगठन में दोनों की मुलाकात हुई और वर्ष 2021 में उन्होंने विवाह कर लिया। लेकिन समय के साथ दोनों ने महसूस किया कि हिंसा का रास्ता उनके भविष्य और आने वाली पीढ़ियों के लिए उचित नहीं है। अक्टूबर 2025 में उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

बीजापुर पुनर्वास केंद्र पहुंचने के बाद दोनों के जीवन में नया अध्याय शुरू हुआ। पहली बार उन्हें अक्षर ज्ञान मिला, कौशल विकास का प्रशिक्षण मिला और शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया। राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता और अन्य आवश्यक दस्तावेज बनवाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्षम योजना के तहत जयमोती को एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इसी सहायता से कोण्डापल्ली में उनकी छोटी-सी किराना दुकान शुरू हुई। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान मासा और जयमोती ने बताया कि अब वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा - दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जहां कभी दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां विकास की राह में चुनौती बनती थीं, वहां आज आधुनिक अधोसंरचना नए अवसरों के द्वार खोल रही है। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचकर बीजापुर-पूवर्ती मार्ग पर निर्मित बेली ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल की निर्माण तकनीक, उपयोगिता और क्षेत्र के विकास में उसकी भूमिका की जानकारी लेते हुए इसे बदलते बस्तर की नई तस्वीर का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाएं केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि वे दूरस्थ क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाले मजबूत माध्यम हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो।

कम समय, कम लागत और अधिक मजबूती की तकनीक : भारतीय सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित यह बेली ब्रिज बीजापुर-पूवर्ती सड़क परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बेली ब्रिज पारंपरिक पुलों की तुलना में अधिक किफायती, मजबूत और टिकाऊ होते हैं। इनका निर्माण सामान्य पुलों की अपेक्षा लगभग पांच गुना कम लागत में किया जा सकता है तथा इन्हें मात्र एक माह के भीतर तैयार किया जा सकता है। दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए यह तकनीक अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

बीजापुर में 21 बेली ब्रिज बने विकास के वाहक : उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले में अब तक 21 बेली ब्रिजों का निर्माण किया जा चुका है। इन पुलों के निर्माण से दूरस्थ गांवों तक आवागमन सुगम हुआ है तथा लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच में बड़ी राहत मिली है। इन संरचनाओं ने क्षेत्र में विकास और जनसेवाओं के विस्तार को नई गति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के श्रमिक और युवा ही विकास यात्रा के वास्तविक निर्माणकर्ता हैं। उन्होंने श्रमिकों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके अनुभव भी साझा किए।

बदलते बस्तर की नई पहचान : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में अधोसंरचना विकास के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण हो रहा है। कोण्डापल्ली का यह बेली ब्रिज केवल एक पुल नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और सुशासन का सशक्त प्रतीक है। यह उस नए बस्तर की पहचान है, जहां विकास अब दूरस्थ गांवों और दुर्गम अंचलों तक मजबूती से पहुंच रहा है तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

कार्यालयों के चक्कर नहीं, अब गांव में ही समस्याओं का निराकरण -उपमुख्यमंत्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री साव के आतिथ्य में डोंगा नाला में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन, 159 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो की दी सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में कोरबा जिले के विकासखण्ड पाली के ग्राम डोंगानाला में सुशासन तिहार के अंतर्गत जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग तथा नगरीय प्रशासन व विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव शामिल हुए।

उन्होंने शिविर में 159 करोड़ 63 लाख 14 हजार की राशि के 18 विकास कार्यो की सौगात दी। जिसके अंतर्गत 153 करोड़ 66 लाख 61 हजार के कुल 8 कार्यो का भूमिपूजन, 5 करोड़ 96 लाख 53 हजार के 10 विकास कार्यो का लोकार्पण शामिल है। उन्होंने जिलेवासियों को विकास कार्यो के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक पाली तनाखार तुलेश्वर मरकाम, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माया रूपेश कंवर, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, नगर पंचायत अध्यक्ष पाली अजय जायसवाल, कलेक्टर कुणाल दुदावत, प्रभारी पुलिस अधीक्षक लखन पटले, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, निगमायुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सरकार जनता के हित मे लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर विकास की नई ऊंचाईयों में पहुचाने का काम कर रही है। 01 मई से जगह जगह सुसाशन तिहार का आयोजन कर आमजनों को राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही सरकार के कार्यो का फीडबैक भी लिया जा रहा। सरकार द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े लोगो को मुफ्त राशन, टेपनल के माध्यम से हर घर जल, शौचालय, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। श्री देवांगन ने कहा कि शिविरों में आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। जिससे कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाना नहीं पड़ रहा।

विधायक श्री मरकाम ने कहा कि लोगों को कार्यालयों का चक्कर लगाने की परेशानी से बचाने के लिए शिविरों का आयोजन हो रहा है। जहां जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित होकर आमजनो की समस्याओं को गम्भीरता से सुनते व निराकृत करते है। ऐसे आयोजनों से आम जनता का शासन पर विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने बताया कि पाली तानाखार विधानसभा में मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। डीएमएफ से स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, पीडीएस भवन, पुल-पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे दूर दराज के लोगों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

कलेक्टर दुदावत ने कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप प्रशासन द्वारा आमजनों की परेशानियों का समाधान एवं योजनाओं से लाभान्वित करने जिले में नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जा रहे है। शिविरों में विभागीय अधिकारी आमजनों की समस्याओं की गम्भीरता से सुनते है एवं उन्हें विभागीय योजनाओं से लाभांवित करते है। शिविरों में प्राप्त आवेंदनो में से निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही समाधान कर ग्रामीणों को लाभ दिलाया जा रहा है। साथ ही मांग एवं शिकायत से सम्बन्धित आवेंदनो का पूर्ण परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जिला खनिज संस्थान न्यास मद से अनेक जनहित के कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है।

शिविर में क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु उपमुख्यमंत्री श्री साव द्वारा अनेक विकास कार्यो का घोषणा भी गई जिसमें प्रमुख रूप से पाली ब्लाक के मुनगाडीह व दमिया में स्कूल भवन निर्माण, दमिया में आंगनबाड़ी भवन, पाली के स्वामी आत्मानंद विद्यालय के लिए भवन हेतु 3 करोड़ की राशि, डोंगानाला पंचायत के लिए पंचायत भवन हेतु 20 लाख, डोंगानाला में नहर मरम्मत की स्वीकृति, चाकाबुड़ा में कोनार नाला में नया पुल एवं कोराई नाला में नया पुलिया निर्माण की स्वीकृति, डोंगानाला में सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख, गणेशपुर से बांका मार्ग में पुलिया निर्माण हेतु 15 लाख , बक्साही में सीसी रोड निर्माण हेतु 10 लाख, प्राथमिक शाला मांझी पारा में अहाता निर्माण हेतु 20 लाख की स्वीकृति की घोषणा की।

संपादकीय

वैभव ने खुद को मैदान में साबित किया

क्रिकेट के मैदान कुछ दशक पहले तक भले ही कुछ शहरों के क्रिकेट के खिलाड़ियों के लिए होते थे,जैसे राजनीति में परिवारवाद चलता है वैसे ही कुछ दशक पहले तक शहरवाद चलता था यानी कि किसी शहर का खिलाड़ी होने पर क्रिकेट के मैदान में उसका प्रवेश संभव होता था। दिल्ली,मुंबई,कर्नाटक जैसे कुछ ही शहरों के खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने का मौका मिलता था बाकी खिलाड़ी रणजी खेलते हुए खत्म हो जाते थे,इंतजार करते थे कि उनको कब देश की टीम से खेलने का मौका मिलेगा। ऐसा नहीं है कि क्रिकेट की प्रतिभा पहले देश में नहीं थी, क्रिकेट की प्रतिभा तो पहले भी थी लेकिन सभी राज्यों के खिलाड़ियो के लिए मौके कम थे।आज जिस तरह हर उम्र,वर्ग के लिए अलग अलग प्रतियोगिताएं होती वैसी प्रतियोगिताएं नहीं होती थी।अवसर सीमित थे, प्रतियोगिताएं सीमित थीं। इससे प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिलता था,आज हर क्षेत्र देश के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है तो ऐसी ऐसी खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं कि लोगों को हैरत होती है कि हमारे देश में ऐसी खेल प्रतिभाएं हैं।

क्रिकेट के सबसे बड़े खुले मंच में इस सीजन के आईपीएल में ऐसी ही प्रतिभा सामने आई है नाम है वैभव सूर्यवंशी ,वह ऐसे राज्य और ऐसे क्षेत्र से आता है जहां क्रिकेट के विकास का पूरा सिस्टम ही नहीं है इससे लोगों को और हैरानी होती है कि बिहार से क्रिकेट की ऐसी प्रतिभा सामने आई है ।उसे पिछले साल राजस्थान रायल ने कुछ मैचों में मौका दिया था तो उसने अपनी प्रतिभा की झलक कुछ मैचों में दिखाई थी ।तब लोगों को यकीन नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र में कोई ऐसी क्रिकेट खेल सकता है। सबको इंतजार था कि आईपीएल-26 के सीजन मे यह लड़का क्या करता है देश के क्रिकेट खिलाड़ियों में सबसे कम उम्र के इस खिलाड़ी ने इस आईपीएल सीजन में मैदान में साबित किया कि वह इस देश के सबसे अच्छे क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक हैं। मैदान में इस बार भी कई टीमों ने नए खिलाड़ियों को मौका दिया लेकिन वैभव की तरह कोई खुद साबित नहीं कर सका।

वैभव के इस सीजन के आंकड़े ही इस बात की गवाही देते हैं कि वह सबसे अच्छा खिलाड़ी है तो क्यों कि उसने मैदान में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं, सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं, सबसे कम गेंद में पचास रन बनाए है सबसे कम गेंद में शतक भी लगाया है। दूसरे खिलाड़ी सबसे ज्यादा चौके लगाते हैं तो वैभव चौके कम और छक्के ज्यादा लगाते हैं और वह भी इंटरनेशनल खेल चुके भारत व दूसरे देशों के बालरों को कि लोगों को आश्चर्य होता है कि यह ऐसा कैसे कर लेता है वैभव ने बरसों पुराने रिकार्ड तोड़े हैं ऐसे रिकार्ड तोड़े हैं जिनके बार में कहा जाता था कि कोई तोड़ नहीं पाएगा क्योंकि पिछले 14 साल में देश मे कई महान खिलाड़ी तो पैदा हुए हैं लेकिन तमाम महान खिलाड़ी उस रिकार्ड को तोड़ नही पाए और वह रिकार्ड था वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी क्रिस गेल का। उन्होंने एक सीजन म 59 छक्के लगाए थे,देशी व विदेशी खिलाड़ियों में से कोई आईपीएल के पिछले सीजन तक इस रिकार्ड के करीब नहीं जा सका था लेकिन वैभव ने अपने दूसरे आईपीएल सीजन में ही क्रिस गेल के इस रिकार्ड को तोड़ दिया और भारतीय खिलाड़ी का नया रिकार्ड बना दिया है एक सीजन में 72 छक्कों का। अब इंतजार रहेगा कि इस रिकार्ड को कौन तोड़ता है।

वैभव ने आईपीएल में आरेंज कैप सहित पांच अवार्ड जीते है. ऐसा भी बहुत कम होता है कि कोई अनकैप्ड खिलाड़ी इतने अवार्ड जीते लेकिन वैभव ने पांच अवार्ड सबसे ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप अवार्ड,सबसे ज्यादा छक्के लगाकर सुपर सिक्सर अवार्ड, 237.3 के स्ट्राइक रन बनाकर सुपर स्ट्राइकर,मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर,इमर्जि प्लेयर का अवार्ड जीता है। एक बच्चेबाज जितने अवार्ड जीत सकता है, उतने सारे अवार्ड जीतकर भी वैभव ने एक नया रिकार्ड बनाया है क्योंकि इतनी कम उम्र में आज तक कोई आईपीएल में इतने अवार्ड नहीं जीत सका है उनके क्रिक्रेट खेलने के तरीके की सभी बड़े खिलाड़ियों ने तारीफ की है। चारे सचिन हो, सहवाग हों,विराट हो, द्रविड हो,कुंबले हो,इरफान हो,सुनील गावस्कर,कपिलदेव हो, इसके अलावा विदेशों को बड़े खिलाड़ियों ने वैभव की प्रतिभा की खुलकर तारीफ की है और उसे भविष्य का अच्छा खिलाड़ी बताया है।

हर खेल को खेलने वाले बहुत खिलाड़ी होते हैं लेकिन ऐसे खिलाड़ी गिनती के होते हैं जिनको खेलते हुए देखने के लिए लोग इंतजार करते है कि वह किस दिन खेलेगा और उस दिन हमको मैच देखना है। इस सीजन में मैदान व टीवी के सामने लोगों ने वैभव का खेल देखने के लिए इंतजार किया है और उसके खेल की खूब तारीफ भी की है। एक समय गावस्कर, सचिन तेंदुलकर ही ऐसे क्रिकेट खिलाड़ी हुआ करते थे जिनके मैच देखने के लिए लोग टीवी चालू करते थे और उनके आउट होते ही बंद कर देते थे। वैभव के आने के बाद लोगों ने फिर से क्रिकेट मैच देखने के लिए इंतजार करना शुरू कर दिया है। इसकी सेंचूरी पूरी होने पर लोग खुश होते हैं और उसकी सेंचुरी पूरी नहीं होने पर दुखी होते हैं। वैभव की जीत उनको अपनी जीत लगती है, वैभव की हार उनको अपनी हार लगती है देश के लोगों का ऐसा जुड़ाव किसी खिलाड़ी से बहुत कम होता है इसलिए इन दिनों देश के लोगों के लिए वैभव खास है,वैभव अनमोल है,वैभव सबका पात्रा है

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

पुष्पराज

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। पेइचिंग के हाईतियन जिले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही मलाक्का दुविधा अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमजोरी बन सकती है। न्यूज एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है।

जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मजबूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है।

भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से ग्रेट निकोबार विकास परियोजना पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स) का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा।

इस पोर्ट के जरिए भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ टर्वेटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है।

प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं—पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली ब्लू-वॉटर नेवी (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेजी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए एवं तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत फुचियान को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए।

दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेजी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह ह्याक्याउकप्यू, प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की और इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित क्रा लैंड ब्रिज का भी जिक्र किया—जो सड़क और रेल मार्ग के जरिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है—और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया।

तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा।

भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करने दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल जमीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेजी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है।

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाजों को सिक्स डिग्री चैनल से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं। इस निकटता के कारण, भारत इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित रखने और उस पर निगरानी रखने के लिए अपनी नौसैनिक अवसंरचना का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है, और ग्रेट निकोबार पर एक विशाल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल का निर्माण कर रहा है।

सिंगापुर जलडमरूमध्य के पि लिप्स चैनल में अपने सबसे संकरे बिंदु पर, मलाक्का जलडमरूमध्य की चौड़ाई सिर्फ.1.7 मील (2.7 किमी) है; इससे एक प्राकृतिक रुकावट पैदा होती है, साथ ही जहाजों के टकराने, जमीन से टकराने या तेल फैलने का भी खतरा बना रहता है। सालों से, यह जलडमरूमध्य समुद्री डकैती और व्यापारिक जहाजों पर हमलों का एक बड़ा केंद्र रहा है।

टैंकर ट्रैकर वोरटेक्स के आंकड़ों के अनुसार, ह्यावह संकरा और भीड़भाड़ वाला जलमार्ग पेइचिंग के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि चीन के समुद्री रास्ते से होने वाले कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 फीसद हिस्सा इसी रास्ते से मध्य पूर्व और अफ्रीका से होकर गुजरता है। होनोलुलु स्थित ईस्ट-वेस्ट सेंटर की एडजंक्ट फेलो, निलंथी समरनाथके ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को भारत की 20 साल पुरानी जरूरत का सबसे नया अपडेट बताया। समरनाथके ने कहा, अब जो बात अलग है, वह यह है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर अब ज्यादा तेजी दिख रही है। निश्चित रूप से अपनी ऊर्जा सुरक्षा और चीन पर दबाव बनाये रखने के लिए निकोबार पोर्ट का विकास आवश्यक है। मगर, इस जगह वर्षा वनों के काटे जाने का विकल्प केंद्र सरकार ने क्या ढूंढ़ा है, उसे भी एड्रेस करना उतना ही जरूरी है।

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

रजनीश कपूर

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं।

उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।

जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार-बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही।

ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वे जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरे पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी। कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्योहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे।

बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार-बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पड़ ? की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति समेत कई संगठन इन पैरोलों की निंदा करते हैं। पत्रकार अंशुल छत्रपति ने इसे "कानून का मजाक" बताया। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं, लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में ये कहना ग़लत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं।

गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन-सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है। एक तरफ तो जेल सुधार की बातें होती रहती हैं, लेकिन वहीं दूसरी ओर उच्च प्रभाव वाले कैदियों को मिलने वाली सुविधाएं व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती हैं। जहां गरीब या सामान्य अपराधी सालों जेल में सड़ते हैं, वहीं प्रभावशाली व्यक्ति यहाँ एक लक्ज़ ?री होटल जैसी जिंदगी जीते दिखते हैं।

सवाल उठता है कि इस का क्या समाधान संभव है ? पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य पुनर्वास है, न कि दुरुपयोग। इसलिए पुलिस प्रशासन व सरकार को इनमें पारदर्शिता लानी चाहिए। जैसे कि, रिहाई के फैसले स्वतंत्र समिति से करवाए जाएं। चुनाव के समय पैरोल पर रोक लगे। सभी कैदियों के लिए समान नियम लागू हों। जेलों में सीसीटीवी और मैन्युअल निगरानी की सख्ती बढ़े। गुरमीत राम रहीम के मामले में हरियाणा सरकार को खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और अन्य संगठनों की आलोचना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

गुरमीत राम रहीम जैसे प्रभावशाली अपराधियों को मिलने वाले ऐशो-आराम का मामला सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल है। रोहतक जेल अगर एक कैदी के लिए होटल बन जाती है, तो कानून की गरिमा कहां रह जाती है ? पैरोल का प्रावधान सभी के लिए समान होना चाहिए, न कि चुनिंदा प्रभावशालियों के लिए विशेषाधिकार। समाज को इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ताकि कानून वाकई सबके लिए समान हो। राम रहीम की लगातार रिहाइयां न केवल पीड़ितों का अपमान हैं, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। जेल सजा की जगह होनी चाहिए, न कि आराम की।

स्मरण : सुमन कल्याणपुर-एक रेशमी आवाज का यूं खामोश होना

राजेन्द्र शर्मा

वर्ष 1964 में मशहूर देशभक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगों को गाने के लिए सुमन कल्याणपुर का चयन हुआ। सुमन कल्याणपुर ने इस गीत और मौके की महत्ता को समझते हुए गाने की तैयारी भी कर ली। यहां तक कि प्रधानमंत्री नेहरू के सामने इसकी रिहर्सल भी हुई, लेकिन ऐन वक्त पर यह गीत लता मंगेशकर को दे दिया गया। अप्रैल के पहले पखवाड़े से ही संगीत की दुनिया पर काल के क्रूर पंजे दुखदायी बने हुए हैं। 12 अप्रैल को पार्श्व गायिका आशा भोसले, 14 अप्रैल को हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी नीला भागवत, 14 मई को तबला वादक साबिर खान के आकस्मिक निधन से गहराए दुख से अभी उबर भी नहीं पाए थे कि 31 मई की शाम 89 वर्षीय पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर इस फानी दुनिया से रुखसत हो गईं।

पार्श्व गायिका के रूप में सुमन कल्याणपुर ने अपने लंबे करिअर में 740 से अधिक फि ल्मी और गैर-फि ल्मी गीतों को अपनी सुरीली आवाज दी। हिंदी के अलावा उन्होंने मराठी, बंगाली, गुजराती, भोजपुरी, पंजाबी, असमिया, कन्नड़ आदि अन्य भाषाओं में भी गाया। मोहम्मद रफी के साथ 140 से अधिक युगल गीत गाने का भी उनका रिकॉर्ड है। वर्ष 2023 में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। लेकिन सुमन कल्याणपुर के मामले में यह सवाल ही बेमानी हो जाता है। दरअसल, नियति ने उनके जीवन में ऐसा खेल खेला कि जिस सम्मान की वह हकदार थीं, वह उन्हें मिला ही नहीं।

28 जनवरी, 1937 को कलकत्ता में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में कार्यरत शंकर राव हेमाडी की पुत्री के रूप में जन्मी सुमन कल्याणपुर छह वर्ष की उम्र में पिता का ट्रांसफर होने के कारण मुंबई आ गई थीं। बचपन से ही शांत और मर्यादित सुमन कला प्रेमी थीं। चित्रकला में गहरी रुचि के चलते सुमन ने जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला भी लिया। एकाएक सुमन संगीत की ओर आकर्षित हुईं और केशवराव भोले से संगीत सीखना शुरू किया तथा उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान व गुरुजी मास्टर नवरंग से संगीत की विधिवत शिक्षा प्राप्त की। साल 1952 में सुमन को ऑल इंडिया रेडियो पर गाने का अवसर मिला।

सुरीली, संयत आवाज की धनी सुमन को अभिनेता व फि ल्ममेकर शेख मुख्तार ने रेडियो पर सुना तो शुक्राची चांदनी नामक मराठी फि ल्म में गाने का मौका दिया। शुक्राची चांदनी के बाद शेख मुख्तार ने हिंदी फि ल्म मंगू में भी सुमन को मौका दिया। इस फि ल्म के लिए सुमन कल्याणपुर की आवाज में तीन गाने रिकॉर्ड किए गए थे, लेकिन एक विवाद के चलते संगीतकार मोहम्मद शफी उस फि ल्म से हट गए और ओ.पी. नय्यर को मंगू का संगीत तैयार करने की ज़िम्मेदारी मिली, तो सुमन कल्याणपुर की गाई सिर्फ.एक लोरी ही उस फि ल्म में बची। वर्ष 1954 में गुरुदत ने अपनी फि ल्म आर-पार में मौका दिया, किन्तु नियति का खेल यह रहा कि आर-पार के गीत मोहब्बत कर लो जी भर लो, अजी किसने रोका है में संगीतकार ओ.पी. नय्यर ने इक्का-दुक्का लाइनें ही सुमन से गवाईं, बाकी यह गीत रफी साहब व गीता दत्त से गवाया गया। इस पूरे गाने में वह बस एक कोरस गायिका ही बनकर रह गईं।

वर्ष 1958 में मुंबई के एक बिजनेसमैन रामानंद कल्याणपुर से विवाह के बाद सुमन हेमाडी से सुमन कल्याणपुर बनीं। 1964 में नियति ने फिर खेल खेला। जिसे स्वयं सुमन कल्याणपुर ने अपने एक इंटरव्यू में बयां किया था। किस्सा यह है कि 1964 में मशहूर देशभक्ति गीत ह्याए मेरे वतन के लोगोंह्न को गाने के लिए सुमन कल्याणपुर का चयन हुआ। सुमन कल्याणपुर ने इस गीत और मौके की महत्ता को समझते हुए गाने की तैयारी भी कर ली। यहां तक कि प्रधानमंत्री नेहरू के सामने इसकी रिहर्सल भी हुई, लेकिन ऐन वक्त पर यह गीत लता मंगेशकर को दे दिया गया। इसी बीच लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच रॉयल्टी विवाद के चलते साठ का दशक सुमन कल्याणपुर के लिए खूबसूरत समय बनकर आया। आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, ना ना करते प्यार तुम ही से, तुमने पुकारा और हम चले आए, ह्यापरवतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है, दिल ने फिर याद किया, तुझको दिलबरी की कसम, चांद तकता है इधर जैसे सैकड़ों सदाबहार गीत सुमन कल्याणपुर की झोली में आ गिरे। सुमन कल्याणपुर की आवाज लता मंगेशकर के काफी करीब थी, लेकिन उनकी आवाज की अपनी एक अलग रवानगी और खनक थी। फिर भी उनके गाए गीतों को सुनते ही अक्सर लोग मान लेते हैं कि यह तो लता गा रही हैं। उन्हें अक्सर द अदर लता या दूसरी लता कहा जाने लगा। यह दंश सुमन कल्याणपुर ने पूरे जीवन सहा।

उधर लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच रॉयल्टी का विवाद समाप्त हुआ तो सुमन कल्याणपुर को काम मिलना कम होता गया। वर्ष 1981 में आई नसीब फि ल्म का गीत ज़िंदगी इम्तिहान लेती है सुमन कल्याणपुर का आखिरी फि ल्मी गीत साबित हुआ। नसीब फि ल्म के बाद सुमन कल्याणपुर को गाने के मौके मिले। लेकिन कभी ऐसा हुआ कि वे फि ल्में ही रिलीज नहीं हुईं। यह भी हुआ कि सुमन जी की आवाज हटाकर किसी दूसरी गायिका से वे गाने गवा लिए गए।

वर्ष 2008 में सुमन कल्याणपुर के पति रामानंद कल्याणपुर के निधन के बाद सुमन कल्याणपुर ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होना लगभग बंद कर दिया था। पार्श्वगायन के अपने 28 साल के करिअर में सुमन कल्याणपुर ने एक से एक बेशकीमती, सदाबहार गाने गाकर एक सम्मानजनक स्थान बनाया। स्वर साधना व स्वर सिद्धि के आकाश में वे ऊंचाई पर थीं। लेकिन प्रतिस्पर्धा और राजनीति से भरी हुई फिल्मी दुनिया में द अदर लता या दूसरी लता कहलाने से वह आहत जरूर थीं। उनकी मधुर, रेशमी और शहद-सी मीठी आवाज सदैव उनकी याद दिलाती रहेगी।

पुस्तक-चर्चा : संवाद की सभ्यता का घोषणापत्र

समीक्षक - डॉ. शेफाली चतुर्वेदी

कुछ लोग जब बोलते हैं, तो शब्द नहीं, विचारों की बौछार होती है। कभी वह बौछार भिगो देती है, कभी चौंका देती है, और कभी-कभी असहज भी कर देती है। प्रो. संजय द्विवेदी ऐसे ही वक्ता हैं। उनकी बातचीत की शैली में चुटकियाँ भी हैं, तंज भी, और वह धधकश स्पष्टता भी, जो कभी मुरीद बनाती है, कभी बेचैन कर देती है। पर यह भी सच है कि संजय जी की कही हर बात को उनके लहजे से हटकर सुना जाए, तो भीतर कुछ बहुत महीन और जरूरी मिलता है। यही बात उनकी नवीनतम पुस्तक 'संजय उवाच' पर भी लागू होती है।

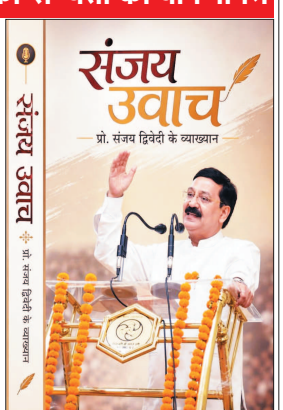

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष और भारतीय जन संचार संस्थान, दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. द्विवेदी ने पहले भी अनेक पुस्तकें लिखी हैं पर यह कृति उन सबसे विशिष्ट है। शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित यह 370 पृष्ठों का व्याख्यान संग्रह संवाद की विधा को लेखनी में पिरोने का दुर्लभ प्रयास है। संजय जी ने लिखा बहुत है पर बोलने की उष्मा को लिखित शब्द में इस तरह जीवित रखना, यह पहली बार इतनी सफलता से हुआ है।

पुस्तक का पहला अध्याय 'संवाद से बनेगी सुंदर दुनिया', केवल शीर्षक नहीं, एक दर्शन है। लेखक उपदेशक की ऊँची पीठ से नहीं बोलते, बल्कि एक सहयात्री की तरह साथ चलते हैं। और यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है यह पुस्तक पढ़ी नहीं जाती, सुनी जाती है ।मीडिया पर उनका चिंतन उस दौर में और भी अनिवार्य हो जाता है, जब पत्रकारिता बाजार के शोर में अपनी आत्मा गँवाती जा रही है। पैंतीस से अधिक पुस्तकों के रचयिता और 'मीडिया विमर्श' पत्रिका के कायकारी संपादक वह स्थापित करते हैं , पत्रकारिता मिशन है, व्यवसाय नहीं। जड़ों की ओर लौटने का उनका आग्रह, भारतीय लोकजीवन से मीडिया के टूटते रिश्ते की व्याकुल पुकार है।

भाषा पर वे न तलवार उठाते हैं, न किसी को कठघरे में खड़ा करते हैं , बस इतना याद दिलाते हैं कि भाषा केवल संप्रेषण का उपकरण नहीं, किसी जाति की सांस्कृतिक स्मृति की जड़ें हैं। हिंदी को वे भारत की सेतु-भाषा बताते हैं ,वर्चस्व की भाषा नहीं, प्रेम की भाषा। अंबेडकर, तुलसीदास, नेताजी, दीनदयाल इन सबको एक ही सूत्र में पिरोते हुए वे सिद्ध करते हैं कि भारत राजनीतिक राष्ट्र-राज्य नहीं, करुणा और सहअस्तित्व से निर्मित एक जीवंत सभ्यता है।

'संजय उवाच' को ठहरकर पढ़िए, जल्दी में नहीं। जैसे संजय जी की बातें उनके लहजे के पार जाकर सुनने पर असली अर्थ देती हैं, वैसे ही इस किताब के पन्ने भी उन्हें ही कुछ देंगे, जो रुककर पढ़ेंगे। क्योंकि यह पुस्तक अंततः एक ही बात कहती है- संभवता का आधार शक्ति नहीं, 'संवाद' है।

पुस्तकः संजय उवाच (प्रो.संजय द्विवेदी के व्याख्यान)
प्रकाशकः शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 10295, लेन नंबर-1,वैस्ट गोरखपार्क, शाहदरा, दिल्ली-110032
मूल्यः 495 (पेपरबैक), पृष्ठ-370

वैभव सूर्यवंशी बेस्ट ओपनर

कौन बेस्ट फिनिशर- IPL 2026 के लिए दिग्गज ने किया सर्वश्रेष्ठ पारी, स्पिनर, पेसर, बैटर का चयन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बाद अब क्रिकेट जगत के दिग्गज अपना-अपना विश्लेषण बता रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर और दिग्गज कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कई मायनों में बेस्ट खिलाड़ियों का चयन किया है। उन्होंने बेस्ट ओपनर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट पारी, बेस्ट बॉलर समेत कई कैटेगरी में खिलाड़ी चुने हैं। वैभव सूर्यवंशी को बेस्ट ओपनर और राजस्थान के ही एक खिलाड़ी को उन्होंने बेस्ट फिनिशर के तौर पर चुना है।

आकाश चोपड़ा ने एक्स हैंडल पर मंगलवार (2 जून 2026) की सुबह एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर चयन किया। उन्होंने बेस्ट पारी, बेस्ट ओपनर, बेस्ट बॉलिंग स्पेल, बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट फास्ट बॉलर और बेस्ट स्पिन बॉलर चुने।

- **बेस्ट पारी**- आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल की 67 गेंद पर नाबाद 152 रन की पारी को इस सीजन की बेस्ट इनिंग बताया। आईपीएल इतिहास में यह किसी भारतीय खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। वह आईपीएल में 150 का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने कहा विराट, शुभमन और वैभव की कई पारियां थीं लेकिन बेस्ट पारी राहुल की थी।
- **बेस्ट बॉलिंग स्पेल**- भारतीय दिग्गज ने मोहसिन खान के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खोले गए पंजे को बेस्ट बॉलिंग स्पेल बताया। उन्होंने कहा कि भुवी और हेजलवुड के भी कई शानदार स्पेल थे, लेकिन पांच विकेट को उन्होंने आईपीएल मैच में तवज्जो दी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मोहसिन ने राजस्थान के खिलाफ लीग मैच में 4 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट लिए थे।
- **बेस्ट ओपनर**- वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। वह पूरे सीजन अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरते रहे। उन्होंने एक सीजन में रिकॉर्ड 72 छक्के भी लगाए। इसी कारण आकाश चोपड़ा ने बिना किसी सस्पेंस के वैभव को सीजन का बेस्ट ओपनर चुना।
- **बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर**- सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में 624 रन बनाने वाले स्टार खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन को आकाश ने सीजन का बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर चुना है। क्लासेन ने पूरे सीजन हैदराबाद के मिडिल ऑर्डर का बोझ संभाला है। चोपड़ा ने कहा, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर भी रेस में थे लेकिन हेनरिक क्लासेन ही बेस्ट रहेंगे।
- **बेस्ट फिनिशर**- आकाश चोपड़ा ने राजस्थान रॉयल्स के डोनोवन फरेरा को आईपीएल 2026 का बेस्ट फिनिशर चुना। उनका स्ट्राइक रेट करीब 180 का रहा। उन्होंने क्वालिफायर 2 में भी 11 गेंद पर 38 रन बनाकर स्कोर 200 पार पहुंचाया था। यही कारण है कि उनकी शानदार हिटिंग एबिलिटी की वजह से फरेरा को चोपड़ा ने सीजन का बेस्ट फिनिशर बताया।

- **बेस्ट फास्ट बॉलर**- भुवनेश्वर कुमार 28 विकेट लेकर इस सीजन सबका दिल जीतने में कामयाब रहे। वह एक विकेट से पर्पल कैप से पीछे रहे लेकिन उन्होंने बेहतरीन इकॉनमी से गेंदबाजी की। आकाश चोपड़ा ने उन्हें सीजन का बेस्ट पेसर चुना और कहा कि उन्होंने अलग-अलग फेज में अलग-अलग मैदानों पर गेंदबाजी करके विकेट लिए और किफायती रहे।
- **बेस्ट स्पिन बॉलर**-आकाश चोपड़ा ने अपने खास सेलेक्शन की इस आखिरी कैटेगरी में राशिद खान को सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना। राशिद ने पूरे आईपीएल 2026 में 17 मैचों में 21 विकेट अपने नाम किए। वह टॉप 10 में एकमात्र स्पिनर रहे जिसने सबसे ज्यादा विकेट इस सीजन रहे। यही कारण है कि भारतीय कमेंटेटर ने भी उन्हें सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना।

2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था।

आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतल फेंकने से जुड़ा है।'

डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन- डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

फ्रेंच ओपन 2026

माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टरफाइनल में जगह

• कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

पेरिस। माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

पेरिस। एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

आईसीसी बैठक में हुआ फैसला

टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

• 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी- मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा**- भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच**- आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

• आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 HD पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

• चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

बॉलीवुड के टॉक्सिक माहौल की शेखर सुमन ने खोली पोल

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

इंडस्ट्री में जलन से भरे हैं लोग

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।'

अभिनय में भी सक्रिय हैं शेखर सुमन

शेखर सुमन मल्टीटैलेंटेड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी 'बहुत खास' प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, 'ऑल राइट, लेट्स गो!' उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'कुछ बहुत-बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी।'

'है जवानी तो इश्क होना है' जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 'है जवानी तो प्यार होना है' डेविड धवन की फिल्म 'बीवी नंबर 1' का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है।

यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म 'ताकतवर' से की थी। डेविड धवन ने अपने करियर में 45 फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें आंखें, बीवी नंबर 1, जुड़वा, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, शोला और शबनम, राजा बाबू, बड़े मियां छोटे मियां, हसीना मान जाएगी, दुल्हन हम ले जाएंगे, मुझसे शादी करोगी, मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, चश्मे बद्दूर और मैं तेरा हीरो जैसी फिल्में शामिल हैं।

वहीं, मृणाल ठाकुर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। वह 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' और 'कुमकुम भाग्य' जैसे टीवी शो में नजर आई थीं। उन्होंने 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', 'सीता रामम' और 'हाय नन्ना जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

मुझे नहीं आती सोशल मीडिया मार्केटिंग

आमिर खान ने बदलते दौर में फिल्म मार्केटिंग को लेकर अपनी राय साझा की है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान आमिर ने माना कि वह सोशल मीडिया मार्केटिंग की दुनिया को अब तक पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने खुद को इस मामले में पूरी तरह जीरो बताते हुए कहा कि पहले फिल्मों का प्रचार करना कहीं ज्यादा आसान हुआ करता था। आमिर ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के दिनों को याद करते हुए भी बताया कि उस समय पूरे देश में सिर्फ दूरदर्शन का दबदबा था। फिल्म के चारों गानों को दूरदर्शन के लोकप्रिय कार्यक्रम 'छायागीत' और बाद में 'चित्रहार' में लगातार चार गुरुवार तक प्रसारित कराया गया। अब दर्शक अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बिखरे हुए हैं, जिससे यह समझना मुश्किल हो गया है कि आखिर दर्शक कहां मौजूद हैं।

'अल्फा' में जासूस नहीं बनेंगी आलिया

आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। कहानी की जॉनर से फैंस ने अंदाजा लगाया कि फिल्म में आलिया जासूस बन सकती हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। वह फिल्म में जासूस का किरदार नहीं निभा रही हैं। इसके बजाय आलिया भट्ट ऐसा किरदार निभा रही हैं, जो अपने करियर में उन्होंने अब तक नहीं निभाया है।

फिल्म में आलिया निभाएंगी अलग तरह का किरदार

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले यह फिल्म बन रही है। इस प्रोडक्शन के साथ काम कर रहे एक करीबी सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि आलिया भट्ट 'अल्फा' फिल्म में एक किलर का किरदार निभा रही हैं।' सूत्र के मुताबिक आलिया फिल्म 'अल्फा' में एक किलर का रोल करेंगी। वह कोई जासूस नहीं हैं। वह एक अल्फा किलर हैं। उनके किरदार को फिल्म में हत्या करने के लिए पाला जाता है।

जब यशराज फिल्म्स से इस खबर के बारे में पूछा गया। तो उनके प्रावक्ता ने कहा, 'हम बस इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस स्टेज पर हम इन चर्चाओं की ना तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।'

आलिया के अलावा ये एक्टर्स भी फिल्म में आएंगे नजर

'अल्फा' फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा शरवरी, बॉबी देओल भी नजर आएंगे। बॉबी देओल इस फिल्म में विलेन का रोल निभाने वाले हैं। साथ ही अनिल कपूर भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म को शिव रवैल निर्देशित करेंगे। 'अल्फा' 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

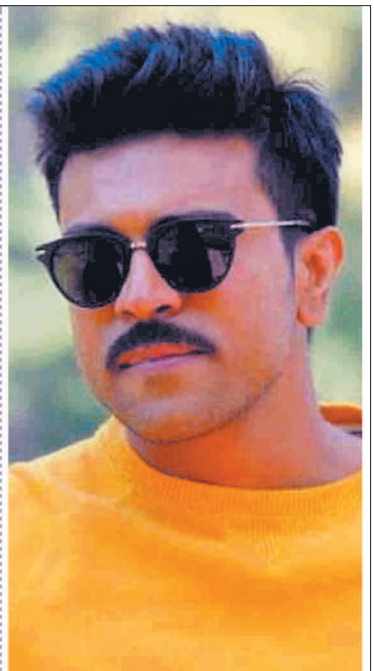

'पेद्दी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, ये भारत की मिट्टी की कहानी है इसने मुझे प्रेरित किया

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

पहली मुलाकात में मुझे कोई पसंद नहीं करता पति के रूप में अच्छे इंसान की तलाश है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे डरकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।'

मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगे। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

खेत बचाओ अभियान : कृषि विभाग के मैदानी अमले एक माह तक करेंगे किसानों को जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

लगातार रासायनिक खादों के असंतुलित और अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी का कटाव, पोषक तत्वों व मृदा कार्बन में कमी और जल प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। इससे भूमि की प्राकृतिक उपजाऊ क्षमता घट रही है और खेती की लागत बढ़ रही है।

इन संकटों से निपटने, खेती की लागत को कम करने और पर्यावरण को बचाने के लिए जिला दुर्ग में उप कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की आहवान पर 01 जून से 30 जून 2026 तक खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत पारंपरिक ज्ञान पर आधारित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और खाद्य तेलों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-तिलहन को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के सीमित व समझदारी पूर्ण उपयोग के प्रति किसानों और आम नागरिकों में जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाना है। अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय, विकासखण्ड स्तरीय एवं पंचायत स्तरीय कृषि चौपालों व संगोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है इन आयोजनों में सभी ग्राम पंचायत के समस्त कृषकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं कृषि विभाग के मैदानी अमलों की की भागीदारी रहेगी।

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार खेत बचाओ अभियान के तहत कृषकों को अपने खेतों में रासायनिक खादों (जैसे यूरिया, डीएपी) का उपयोग केवल आवश्यकतानुसार और संतुलित मात्रा में ही करने एवं किसानों को स्वेच्छा से अपनी कम से कम 25 प्रतिशत कृषि भूमि पर प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यूरिया/डी.ए.पी. की जगह एन.पी.के., एस.एस.पी., नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी., जैव-उर्वरक के उपयोग करने तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा के आधार पर खाद डालने एवं, धान उत्पादक किसानों के लिए नील-हरित काई के उपयोग के बारे में भी बताया जा रहा है। नील-हरित काई एक जैविक खाद है जो प्राकृतिक रुप से नाइट्रोजन उपलब्ध कराकर प्रति हेक्टयर 25 से 30 किलोग्राम रसायनिक नाइट्रोजन बचत कर सकती हैं। साथ ही हरी खाद के रुप में ढैंचा एवं मूंग का उपयोग करने पर प्रति हेक्टयर लगभग 40 से 60 नाइट्रोजन भूमि को प्राप्त होती है। इतनी मात्रा प्राप्त करने के लिए सामान्य परिस्थितियों में 90 से 130 किलोग्राम यूरिया की आवश्यकता पड़ती है। इसका अर्थ है कि किसान प्रति हेक्टयर दो से तीन बोरी यूरिया की बचत कर सकते हैं।

इससे खेती की लागत कम होने के साथ साथ मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। साथ ही अभियान के दौरान नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। यह तरल स्वरुप में होने के कारण इनका छिड़काव सीधे पौधों की पत्तियों पर किया जा सकता है जिससे पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग संभव हो पाता है। विभाग द्वारा इस वर्ष जिले में 18 हजार नैनो यूरिया एवं 30 हजार नैनो डीएपी बोतलों के वितरण करने का लक्ष्य रखा है।

कृषि विभाग किसान भाइयों से अपील करता है कि वतर्मान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए अपने खेतों में रासायनिक खादों का अंधाधुंध प्रयोग कम करें, एवं प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाते हुए पारंपरिक पद्धतियों, गोबर खाद, जैविक कीटनाशकों, हरी खाद एवं नील-हरित काई को बढ़ावा दें ताकि मिट्टी की प्राकृतिक उपजाऊ क्षमता बनी रहे। साथ ही खाद्य तेलों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने खेतों में तिलहनी फसलों जैसे- सोयबीन, तिल का रकबा बढ़ाएं तथा ग्राम पंचायत में आयोजित होने वाली कृषि चौपालों और संगोष्ठियों में उपस्थित होकर कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों से सही सलाह लें।

खास खबर

परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आगामी प्री-डीएड 2026 परीक्षा को लेकर साइंस कॉलेज सभागार में प्री-डीएड परीक्षा में नियुक्त केन्द्राध्यक्षों, पयर्वेक्षकों, प्राचार्यों एवं नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्री-डीएड परीक्षा 4 जून को 14 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां भी कई बार बड़े विवाद और समस्याओं का कारण बन जाती हैं, इसलिए सभी अधिकारी पूरी गंभीरता एवं सावधानी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि केन्द्राध्यक्षों एवं पयर्वेक्षकों को परीक्षा संबंधी सभी नियमों और निर्धारित एसओपी का कड़ाई से पालन करना होगा। उत्तर पुस्तिकाओं एवं अन्य परीक्षा सामग्री के पैकिंग समय, केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर, सील निर्धारित प्रपत्रों में सभी जानकारियां सही और पूर्ण रूप से दर्ज करना अनिवार्य है। कई बार छोटी लापरवाही भी बड़ी गलती का रूप ले लेती है। कलेक्टर ने सभी केन्द्राध्यक्षों, नोडल अधिकारियों एवं पयर्वेक्षकों से अपील करते हुए कहा कि परीक्षा संबंधी सभी प्रक्रियाओं को दोबारा जांच लें, यह सुनिश्चित कर लें कोई जानकारी छूट न जाए तथा सभी प्रपत्र सावधानीपूर्वक भरे जाएं, ताकि परीक्षा का आयोजन त्रुटिरहित एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव सहित बड़ी संख्या में कालेज के प्राचार्य, पयर्वेक्षक, नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

आगामी खरीफ मौसम में हरी खाद (ढैंचा-मूंग) के उपयोग से भूमि सुधार व उत्पादन में होगी वृद्धि

दुर्ग। आगामी खरीफ मौसम को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा कृषकों को टिकाऊ खेती और बेहतर उत्पादन के लिए समसामयिक सलाह दी गई है। विभाग ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया पर निर्भरता कम करने और भूमि की सेहत सुधारने के लिए हरी खाद (ढैंचा, मूंग) के अधिक से अधिक उपयोग की अपील की है।

उप संचालक कृषि के अनुसार, वतर्मान वैश्विक परिस्थितियों के कारण उर्वरकों की कमी होने की स्थिति में हरी खाद एक बेहतर और पर्यावरण अनुकूल विकल्प है। इसके लिए जून के प्रथम सप्ताह में लगभग 8-10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से ढैंचा या इसे मूंग के साथ मिलाकर बुआई की जानी चाहिए। बुआई के लगभग 35 से 40 दिन बाद, जब पौधे 2-3 फीट ऊंचे हो जाएं और फूल आने की प्रारंभिक अवस्था हो, तब रोटावेटर या कल्टीवेटर की सहायता से फसल को पलटकर मिट्टी में मिला देना चाहिए और खेत में पानी चलाकर 7 से 10 दिनों तक सड़ने देना चाहिए। खेत में हरी खाद मिलाने से फसल की पैदावार में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा सकती है। यह तकनीक मिट्टी के भीतर लाभकारी सूक्ष्मजीवों व केंचुओं की संख्या बढ़ाने, इसे भुरभुरी बनाने, हवा का संचार बढ़ाने और जलधारण क्षमता में सुधार करने में सहायक है। इसके उपयोग से प्रति एकड़ लगभग 20 से 25 किलोग्राम प्राकृतिक नाइट्रोजन उपलब्ध होती है, जो जैविक कार्बन को तेजी से बढ़ाती है। जिले में हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए जिला सहकारी समितियों में 52.16 क्विंटल ढैंचा एवं 16.96 क्विंटल मूंग बीज का भण्डारण किया गया है। शासन द्वारा निर्धारित 220 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर 50 प्रतिशत अनुदान के चलते यह बीज किसानों को मात्र 110 रुपये प्रति किलोग्राम पर प्राप्त होगा। कृषि विभाग ने किसानों से हरी खाद को अपनाकर भूमि की उत्पादकता बढ़ाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने निकटतम कृषि कार्यालय या ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की सतत मॉनिटरिंग करें सुनिश्चित : कलेक्टर प्रजापति

कोई भी गर्भवती महिला एएनसी पंजीयन से वंचित न रहे और हो शत-प्रतिशत पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग की मासिक समीक्षा बैठक लेकर विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा पोषण संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी मामलों की समीक्षा करते हुए नियमित फॉलोअप एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एचआरपी मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी प्रकरणों की गंभीरता से निगरानी की जाए। बैठक में गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा की गई। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने अधिकारियों से जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि कोई भी गर्भवती महिला एएनसी पंजीयन से वंचित न रहे तथा शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सख्त निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कमर्चारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में संस्थागत प्रसव एवं स्टिल बर्थ के मामलों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने स्टिल बर्थ की घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उन्होंने टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा मितानिनों की बैठक आयोजित कर समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार इम्यूनाइजेशन (यू-विन पोर्टल) की कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। राष्ट्रीय पोषण अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने के लिए नियमित वजन मापन एवं सतत निगरानी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य सुधारना विभाग का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए।

बैठक में एनीमिया मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम, हेल्थ मेला, जन आरोग्य समिति, एनसीडी स्क्रीनिंग तथा एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन की भी समीक्षा की गई। आरबीएसके के अंतर्गत विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की प्रगति पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग को बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। टीबी कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकाधिक टीबी स्क्रीनिंग करने, समय पर मरीजों की पहचान करने तथा बेहतर काययीजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में रिक्त पदों की स्थिति, एसएएम एवं एमएएम बच्चों की जानकारी, महतारी वंदन योजना की ई-केवाईसी, कुपोषित बच्चों की स्थिति, हमर स्वास्थ्य लाइक कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना तथा गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी योजनाओं में लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुष विभाग की समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम, आयोजित स्वास्थ्य शिविरों, पोषण पखवाड़ा तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल मदनवाड़ा पहुंचीं कलेक्टर प्रजापति, ग्रामीणों से कि चर्चा

ग्रामीणों ने रखी मांग व समस्याएं

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल मदनवाड़ा में विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने गत दिवस कलेक्टर तुलिका प्रजापति पहुंचीं। उन्होंने विभिन्न निर्माण एवं जनहितकारी कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर भी उपस्थित रहीं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर प्रजापति ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की। कई आवासों का निर्माण कार्य अपेक्षित गति से नहीं होने पर उन्होंने संबंधित ग्राम सचिव पर नाराजगी जताई और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है। पात्र हितग्राहियों को आवास प्रदान करना एवं पूर्ण करवाने प्रोत्साहित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर ने जनपद सीईओ को क्षेत्र के विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रत्येक कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण करें और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की आवश्यक मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न स्वीकृत एवं संचालित विकास कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को सभी सेंशन कार्यों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की प्रगति बढ़ाने के लिए नियमित निरीक्षण एवं सतत मॉनिटरिंग पर विशेष निर्देश दिए।

ग्राम परवीडीह में निर्माणाधीन पीएम आवास का निरीक्षण करते हुए सीईओ जिला पंचायत भारती चंद्राकर ने निर्माण कार्य में हो देरी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम आवास निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था व पुलिसिंग पहलुओं की दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला पुलिस बल को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा बेमेतरा जिले को 10 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों का जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए लगभग एक वर्ष की अवधि हेतु पदस्थ किया गया है। इन प्रशिक्षु अधिकारियों के आने से जिले की पुलिसिंग व्यवस्था को नई ऊर्जा और कार्यक्षमता मिलने की उम्मीद है प्रशिक्षुओं ने राज्य पुलिस अकादमी चंदखुरी रायपुर से अपना बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इसके पश्चात उन्हें जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ किया गया है, जहां से कानून-व्यवस्था, अपराध विवेचना सहित पुलिस कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने पुलिस कार्यालय बेमेतरा में जिले को प्राप्त 10 प्रशिक्षु अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें जिला पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था संधारण एवं पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों का मनोबल बढ़ाया तथा कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी आम नागरिकों को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करना है। उन्होनें प्रशिक्षुओं को अपराध विवेचना, मर्ग संच, शिकायत एवं आवेदन की निष्पक्ष और गंभीर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही फरियादियों एवं आवेदकों के साथ शालीन, सम्मानजनक और मानवीय व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों सुरेश चौहान, सतवन सिंह, सुरेन्द्र कुमार, सूरज प्रकाश, जितयेन्द्र कुमार, निधि गुप्ता, कल्पना महंत, गीतांजली, चंचल पांडेय, ईश्वरी कुमारी डुप्ले को कानून-व्यवस्था ड्यूटी के साथ-साथ थाना स्तर के विभिन्न कार्यों की बारीक जानकारी दी जाएगी। इसमें प्रधान आरक्षक मोहर्रिर कार्य, गश्त एवं रात्रि पेट्रोलिंग, सीसीटीएनएस संचालन, कोर्ट मोहर्रिर, संत्री ड्यूटी, मुलजिम पेशी, न्यायालयीन कार्यवाही तथा बीट आरक्षक के दायित्व शामिल हैं। यह प्रशिक्षण वरिष्ठ अधिकारियों एवं अनुभवी पुलिस कर्मियों द्वारा दिया जाएगा। जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को जनसंपर्क, अपराध नियंत्रण और पुलिस प्रशासन की वास्तविक कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा।

निधन

डीएन पाण्डेय

दुर्ग। न्यू आदर्श नगर दुर्ग निवासी, सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक (एम) डीएन पांडेय का निधन हो गया, वे 95 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी के तट पर किया गया। डी एन पांडेय दुर्ग पुलिस मुख्यालय सहित 11वीं बटालियन भिलाई एवं पुलिस मुख्यालय में विभिन्न पदों पर सेवाएं देते हुए उपपुलिस अधीक्षक एम के पद से सेवानिवृत हुए। छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन के क्रिया कलापों में हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले डी एन पांडेय एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी बखूबी छाप छोड़ी है। वे अपने पीछे पुत्रवधू श्रीमती मीना पांडेय, पोता अभिषेक पांडेय, डॉ. अमित पांडेय सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण से कर्मचारियों की दक्षता और सतकर्ता में वृद्धि होगी-अग्रवाल

एसपी अग्रवाल ने पेट्रोल पंप पर चल रही "एकेडमी ऑन व्हील्स" ट्रेनिंग का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने सोमवार को भिलाई सेक्टर-6 स्थित पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप का निरीक्षण कर वहां संचालित इंडियन ऑयल की "एकेडमी ऑन व्हील्स" प्रशिक्षण कार्यशाला का जायजा लिया। यह प्रशिक्षण 30 मई 2026 से पेट्रोल पंप कर्मचारियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। "एकेडमी ऑन व्हील्स" एक आधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाई है, जिसके माध्यम से कर्मचारियों को आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने, ग्राहकों के साथ बेहतर व्यवहार करने तथा पेट्रोल पंप के सुरक्षित संचालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं।

निरीक्षण के दौरान एसपी विजय अग्रवाल ने स्वयं वीआर (वर्चुअल रियलिटी) चश्मा पहनकर प्रशिक्षण प्रक्रिया का अनुभव लिया। वीआर तकनीक के जरिए आगजनी जैसी वास्तविक आपात स्थितियों का आभासी वातावरण तैयार किया जाता है, जिससे कर्मचारी बिना किसी जोखिम के ऐसी परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

एसपी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मचारियों से चर्चा की और उनके कार्य के प्रति समर्पण एवं अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण से कर्मचारियों की दक्षता और सतकर्ता में वृद्धि होगी, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति का बेहतर ढंग से सामना कर सकेंगे। इस अवसर पर ट्रेनर निशांत कौशिक एवं अक्षय कुमार, सुपरवाइजर संजय स्वामी, इंडियन ऑयल के सेल्स ऑफिसर अंकित साखरकर तथा पुलिस पेट्रोल पंप के प्रभारी आरआई नीलकंठ वर्मा उपस्थित थे।

एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की तकनीक आधारित ट्रेनिंग भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहद उपयोगी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षित कर्मचारी किसी भी आपात स्थिति को कुशलतापूर्वक संभालने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का प्रयास है कि यह पेट्रोल पंप क्षेत्र का सबसे सुरक्षित और उत्कृष्ट पेट्रोल पंप बने।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

सूचना पत्र

क्रमांक 242 रा.नि. 2026, कोहका, दिनांक 02/06/2026

प्रति,

1. आवेदक शाहंशाह आलम अंसारी आः मोहम्मद हफीज अंसारी
2.
3. शहनाज फातमा
4. दिनेश खोब्रागडे
5. 6. रतना मनीक मौताम

विषय :- सीमांकन / स्थल जांच के संबंध में सुचना बाबत।

ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला - दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 2199/2 रकबा 0.034.0 हे. का सीमांकन / स्थल जांच हेतु न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर / अधीक्षक भू-अभिलेख / सिविल न्यायालय में आवेदन पत्र प्रसतुत किया गया है। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर / अधीक्षक भू अभिलेख शाखा दुर्ग के ज्ञापन क्रमांक 11 दिनांक 14/5/202 के परिपालन में दिनांक 10/6/2026 को समय 11 से 5 बजे के बीच में सीमांकन स्थल जांच किया जाना है। अतः आप सभी हितबद्ध पक्षकार अपने दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होवे, बाद आपत्ति स्वीकार नहीं होगी ।

राजस्व निरीक्षक
कोहक

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. 202605101000168/-ब-121 वर्ष 2025-26

एदत् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक रामप्रवेश विश्वकर्मा / ध.प. स्व. खेदन विश्वकर्मा निवासी - आर्यनगर कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग, द्वारा अपने पुत्र/पुत्री/स्वयं धनमती देवी का मृत्यु दिनांक 22/4/2022 को आर्य नगर कोहका भिलाई तह. व जिला दुर्ग में जन्म/मृत्यु हो जाने के कारण जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 15/06/2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/05/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया हैं।

अतिरिक्त तहसील
उप तहसील भिलाई नगर (छ.ग.)

कार कांड पर कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप का स्पष्टीकरण सभी आरोप निराधार, छवि खराब करने की साजिश

हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव बोले- सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक बातें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से जुड़े कथित कार कांड को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह निराधार, भ्रामक और तथ्यहीन बताया है।

निजी विवाद के दावे झूठे

कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप का कहना है कि सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों में उनके नाम से कथित महिला मित्र, मारपीट और रंगे हाथ पकड़े जाने जैसे जो दावे किए जा रहे हैं, उनका हकीकत से कोई वास्ता नहीं है। यह मेरी व्यक्तिगत और प्रशासनिक छवि को नुकसान पहुंचाने की सोची-समझी कोशिश है। ऐसे किसी भी विवाद में मेरी कोई संलिप्तता नहीं है, उन्होंने कहा।

वाहन मरम्मत पर भी दिया जवाब

सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाने और उसकी मरम्मत विश्वविद्यालय के खर्च पर कराने के आरोपों पर कुलदीप ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय के वाहन का रखरखाव और मरम्मत पूरी तरह नियमानुसार और स्थापित प्रक्रिया के तहत होता है। वाहन शासकीय कार्य के लिए आवंटित है। उसकी मरम्मत में कोई भी अनियमितता नहीं बरती गई। सभी बिल और प्रक्रिया रिकॉर्ड में दर्ज हैं।

तथ्यों की जांच हो

कुलसचिव ने कहा कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए सोशल मीडिया पर किसी के खिलाफ दुष्प्रचार करना गलत है। विश्वविद्यालय एक शैक्षणिक संस्थान है। ऐसे आरोपों से संस्था की साख भी प्रभावित होती है। मैं चाहता हूं कि सक्षम स्तर पर तथ्यों की जांच हो ताकि सच्चाई सामने आ सके।

प्रशासनिक कार्यों पर फोकस

भूपेंद्र कुलदीप ने बताया कि वे विश्वविद्यालय के प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। परीक्षा, प्रवेश और अकादमिक गतिविधियों को सुचारू रखना उनकी प्राथमिकता है। बेबुनियाद बातों से ध्यान भटकाने के बजाय हमें छात्रों के हित में काम करना है।

फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस मामले में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज होने या जांच शुरू होने की पुष्टि नहीं की है। कुलसचिव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति ठोस सबूत के साथ शिकायत करता है तो वे जांच का स्वागत करेंगे।

सरस्वती नगर परियोजना के निर्माण कार्यों की समीक्षा

गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध कार्य के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी घटक के तहत सरस्वती नगर में निर्मित 522 आवासीय इकाइयों का नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उपअभियंता हरिशंकर साहू, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने परियोजना में चल रहे निर्माण कार्यों, मूलभूत सुविधाओं एवं हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त ने पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल ने आवंटित आवासों में निवासरत हितग्राहियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों को आवास आवंटित किए जा चुके हैं, उन्हें शीघ्र आवासों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही शेष पात्र परिवारों के पुर्नवास और आवासों में स्थानांतरण की कार्रवाई भी तेजी से सुनिश्चित की जाए। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाली महत्वपूर्ण योजना है। निगम प्रशासन की प्राथमिकता है कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध हो और उन्हें बेहतर आवासीय सुविधाएं प्राप्त हों।

जिला चिकित्सालय में इंटरकॉम सुविधा बहाल करने की मांग, सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला चिकित्सालय में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंटरकॉम सेवा को पुनः प्रारंभ करने की मांग की गई है। इस संबंध में जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर, मानद सदस्य प्रशांत डोंगांवकर तथा रेड क्रॉस सदस्य दुष्यंत देवांगन ने सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. ए.के. मिंज को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि 500 बिस्तरों वाले जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 1000 से अधिक मरीज स्थानीय एवं अन्य जिलों से उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच त्वरित संवाद और समन्वय के लिए इंटरकॉम सुविधा अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में आपातकालीन विभाग तथा मातृत्व एवं शिशु विभाग में इंटरकॉम सेवा निष्क्रिय अवस्था में है, जिससे कार्य संचालन और मरीजों की सुविधा प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व में जिला चिकित्सालय में इंटरकॉम सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन वर्तमान में यह सेवा बंद है। अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरकॉम सेवा को शीघ्र बहाल किए जाने की मांग की गई है। इस पर सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. ए.के. मिंज ने मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने वालों ने उम्मीद जताई कि इंटरकॉम सुविधा पुनः शुरू होने से मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल स्टाफ को काफी सुविधा मिलेगी।

पूर्व कांग्रेस नेता ने की आत्महत्या : गौठान में फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर शहर में जेल से छूटने के बाद पूर्व कांग्रेस नेता नवाज अली ने गौठान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नवाज अली कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आए थे। बीते माह उन्होंने कार से बाइक को टक्कर मारी थी। इस हादसे में ग्राम सविव की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि, हादसे के बाद से वे तनाव में थे। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, कुछ महीने पहले कोदगांव में नवाज अली की कार से पंचायत सचिव को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में पंचायत सचिव की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूर्व कांग्रेस नेता नवाज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया था। हाल ही में नवाज अली जेल से बहार आया था, जिसके बाद आत्मघाती कदम उठाया।

घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सुरक्षित नीचे उतारा और पंचनामा की कार्रवाई की। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना के संबंध में मृतक के परिजनों और उनसे संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। आत्महत्या के असल वजह का कारण पता लगाने की कोशिश जारी है।

डोनर नहीं मिला तो सिस्टम ने ले ली दीपिका की जान

जिला अस्पताल में सिकलिंग पीड़ित 22 वर्षीय बेटी तड़पती रही, ब्लड के बदले मांगा एक्सचेंज डोनर, तीन दिन सलाइन पर रखने के बाद तोड़ा दम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जब तक मेरी बेटी को न्याय नहीं मिलेगा, शव नहीं लूंगी। मरच्यूरी के बाहर बिलखती मां नीमाबाई की यह चीख दुर्ग जिला अस्पताल की व्यवस्था पर सबसे बड़ा तमाचा है। एचएससीएल कॉलोनी मरोदा की 22 साल की दीपिका गाड़ा की जान सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि गरीब माता-पिता ब्लड के बदले डोनर नहीं ला सके।

सिकलिंग से पीड़ित दीपिका को शासन मुफ्त ब्लड देने का दावा करता है। लेकिन जिला अस्पताल के ब्लड बैंक ने साफ कह दिया- डोनर लाओ, तभी ब्लड मिलेगा। तीन दिन तक बेटी सलाइन पर तड़पती रही, बुखार और दर्द से कराहती रही, और सोमवार को सिस्टम की बेरुखी ने उसकी सांसें छीन लीं।

रेलवे की नौकरी का सपना टूटा : मजदूर पिता मन्नूराम और मां नीमाबाई की होनहार बेटी दीपिका ने आईटीआई की थी। इन दिनों रेलवे में नौकरी की तैयारी कर रही थी। मां-बाप का सहारा बनने का सपना देख रही थी। 30 मई की रात अचानक बुखार और हाथ-पैर में दर्द उठा। 108 से जिला अस्पताल पहुंची। डॉक्टरों को बताया भी कि बेटी को सिकलिंग है, ब्लड चढ़ाना पड़ेगा। लेकिन इलाज के नाम पर तीन दिन सिर्फ सलाइन चढ़ाई गई।

डोनर लाओ तभी ब्लड देंगे - ब्लड बैंक का फरमान : मां नीमाबाई का आरोप है- ब्लड बैंक गए तो बोले डोनर लेकर आओ। डोनर खून देगा, तब तुम्हारी बच्ची को देंगे। हम गरीब कहां से डोनर लाते? तीन दिन भटकते रहे, कोई नहीं मिला और मेरी बच्ची चली गई। जबकि शासन का नियम है कि सिकलिंग मरीजों को मुफ्त ब्लड दिया जाएगा। जिला ब्लड बैंक खुद इसके ढिंढोरे पीटता रहा है।

शव लेने से इनकार, कलेक्टर से शिकायत : सोमवार दोपहर दीपिका की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। शव मरच्यूरी में रख दिया गया, लेकिन परिवार ने लेने से इनकार कर दिया। डॉक्टरों की लापरवाही से मेरी बेटी मरी है। जब तक कारवाई नहीं होगी, शव नहीं उठाएंगे- मां नीमाबाई अफसरों के सामने फूट-फूटकर रोती रहीं। मुहल्ले के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। कलेक्टर से शिकायत के बाद देर शाम अफसरों के समझाने पर पोस्टमार्टम हुआ।

सिविल सर्जन बोले- जांच कराएंगे : सिविल सर्जन डॉ. एके मिंज ने माना कि दीपिका को सिकलिंग थी और सिकलिंग मरीजों को मुफ्त ब्लड दिया जाता है। डोनर मांगने के सवाल पर बोले, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. जेपी मेश्राम ने ऐसी जानकारी से इनकार किया है। मामले की जांच करवाता हूं। पीएम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

सवाल जो सिस्टम को नंगा करते हैं

1. जब शासन सिकलिंग मरीजों को मुफ्त ब्लड देने का नियम बना चुका है, तो जिला अस्पताल में एक्सचेंज डोनर क्यों मांगा गया?
2. तीन दिन भर्ती रही मरीज को ब्लड क्यों नहीं चढ़ाया गया? क्या सलाइन से सिकलिंग का इलाज होता है?
3. गरीब, मजदूर परिवार डोनर कहां से लाता? क्या इलाज अब रसूख और पहुंच वालों के लिए ही रह गया है?

दीपिका की मौत सिर्फ एक लड़की की मौत नहीं है। यह उस सिस्टम की मौत है जो कागजों पर मुफ्त इलाज का दावा करता है और हकीकत में गरीब को तड़पा-तड़पाकर मार देता है। सवाल है- अगली दीपिका कौन?

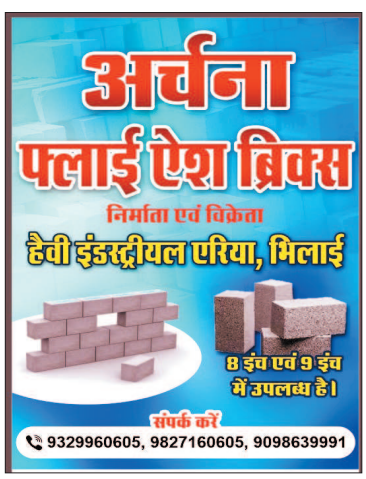

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100